Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 194 | गुरुवार, 23 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

'वीडियो देखने में दिलचस्पी नहीं'
सीजेपी के प्रदर्शन में लाठीचार्ज के मामले में तुरंत सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीतिक रंग ले चुके काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई से संबंधित याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया।

याचिकाकर्ता ने गुरुवार को सुनवाई का आग्रह किया था। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की ओर पुलिस की कथित बर्बरता के वीडियो दिखाए जाने की अपील को भी यह कहते हुए खारिज कर दिया कि कोर्ट का समय बर्बाद न करें। दरअसल पिछले दो दिनों में आंदोलन का दोनों रूप दिखा है। पहले ही दिन आंदोलनकारियों की ओर से तोड़फोड़ के भी काफी वीडियो आए हैं और पुलिस की ओर से लाठीचार्ज और आंसूगैस छोड़ने के भी। सोमवार को भीड़ बेकाबू थी और उस दिन सौ से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए थे और लगभग 60 प्रदर्शनकारी। गंभीर रूप से घायल हुई एक बच्ची को लेकर जरूर चिंता है लेकिन वीडियो दोनों तरह की चल रही है। संभव है कि यह भी कारण रहा हो कि कोर्ट तत्काल इस मामले में शामिल होकर कोई नया रंग नहीं देना चाहता हो।

बुधवार को एक सीजेपी के वकील ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जोयमाल्या बाग्ची और वी. मोहना की पीठ के समक्ष मामले का जिक्र करते हुए जल्दी सुनवाई का अनुरोध किया। वकील ने कहा कि ये मामला विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों के साथ कथित तौर पर बर्बरता से जुड़ा है। वकील ने कहा कि उसके पास पुलिस की बर्बरता से जुड़े वीडियो भी हैं। उसने मामले को कल यानी गुरुवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। कहा याचिका में तीन मांगे की गई हैं। लेकिन कोर्ट ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने वीडियो भी देखने से इन्कार कर दिया। सीजेआइ ने कहा कि उन्हें वीडियो में कोई दिलचस्पी नहीं है, उनके पास उसे देखने का समय नहीं है। यानी कोर्ट ने साफ कर दिया कि मेंशनिंग स्टेज पर वो वीडियो फुटेज जांचने की इच्छुक नहीं है। जब वकील ने फिर से वीडियो सबूतों का जिक्र किया तो कोर्ट ने कहा कि हमारा समय बर्बाद न करें, हम कोई वीडियो नहीं देखना चाहते। संबंधित मामला सोमवार को सीजेपी के विरोध मार्च दौरान पुलिस कार्रवाई से संबंधित था। मानसून सत्र के पहले दिन काकरोच जनता पार्टी ने संसद तक विरोध मार्च निकाला था। मार्च के दौरान कुछ जगह प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं।

ये प्रदर्शन नीट परीक्षा में अनियमितताओं और पेपर लीक को लेकर था जिसमें प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प के दौरान पुलिस ने भीड़ को तितर बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसूगैस का भी इस्तेमाल किया था।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले शरद पवार और सुप्रिया सुले, चर्चाओं का बाजार गर्म

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून सत्र 2026 का आज बुधवार को तीसरा दिन है और हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया है। इसी बीच एक बड़ी सियासी खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक एनसीपी(SP) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार और बारामती से एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद भवन में मुलाकात की है। तीनों नेताओं की यह मुलाकात राजनीति गलियारे में चर्चा का विषय बन गई है। इससे पहले शरद पवार और सुप्रिया सुले जंतर-मंतर पर हो रहे कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के दौरान वहां पहुंचे थे और समर्थन भी किया था। इसके साथ-साथ इन्होंने पुलिस कार्रवाई की भी निंदा की थी। शरद पवार और सुप्रिया सुले की पार्टी की पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को अपना समर्थन दिया है। पवार ने केंद्र से 'मांगों पर संवेदनशीलता से विचार करने' और उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया। भारतीय संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक के अधिकारों और अधिकारों को सुरक्षा प्रदान की है और सरकार और प्रशासन लोगों के प्रति जवाबदेह है। इसलिए, सरकार को अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे छात्रों और नागरिकों का दमन करने के बजाय, उनकी मांगों पर संवेदनशीलता से विचार करना चाहिए और उन पर विधिवत ध्यान देकर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। इस बीच, एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने पिछले हफ़्ते एनडीए में शामिल होने या NCP के साथ मर्जर की अटकलों को नकारते हुए कहा कि किसी दूसरी पार्टी की तरफ से उनके साथ हाथ मिलाने का कोई प्रपोजल नहीं है। उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि इस मामले में पार्टी के किसी भी सीनियर लीडर से बात नहीं की गई है।

अनशन खत्म करने को तैयार हुए सोनम वांगचुक, लेकिन सरकार के सामने रख दी ये बड़ी शर्त

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह को पत्र लिखा है। अपने पत्र के साथ एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि सरकार से अपील। मेरा अनशन तोड़ने के संबंध में...एक बार सरकार से आश्वासन मिल जाने के बाद, मैं शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे छात्रों से भी अपील करूंगा कि वे फिलहाल आंदोलन रोक दें और सरकार के साथ बातचीत शुरू करें। वहीं, पत्र में लिखा है कि कल रात अस्पताल में मुझसे मिलने और मेरा अनशन खत्म करने की आपकी ईमानदार अपील के लिए धन्यवाद। इसके साथ ही वांगचुक ने कहा कि हमारी बातचीत के दौरान, आपने मुझे भरोसा दिलाया कि सरकार उन छात्रों के परिवारों के लिए उचित मुआवजे पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी जिन्होंने परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद आत्महत्या कर ली थी, और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए संसद में सार्थक चर्चा होगी, जिसमें माननीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर विचार करना भी शामिल है। मैं सरकार से सम्मानपूर्वक यह स्पष्ट आश्वासन चाहता हूं कि इस आंदोलन में भाग लेने वाले किसी भी युवा प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई दंडात्मक या प्रतिशोधात्मक कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र अपराध एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा प्रणाली के लिए आवाज उठाना रहा है। यदि ऐसा आश्वासन दिया जाता है, तो मैं इस विश्वास के साथ अपना अनशन समाप्त कर दूंगा कि सरकार ने न केवल मेरी अपील सुनी है, बल्कि लाखों युवा भारतीयों की आकांक्षाओं को भी सुना है। ऐसे आश्वासन के अभाव में, मैं अनिश्चित काल तक अपना अनशन जारी रखने के लिए मजबूर हो जाऊंगा। मुझे यह भी उम्मीद है कि आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस बल का अत्यधिक प्रयोग नहीं किया जाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने बुधवार को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि उनके त्याग ने देशभर के छात्रों को प्रेरित किया है। कॉजपा ने यह भी आश्वासन दिया कि कथित परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन उसकी मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा। वांगचुक को संबोधित एक सार्वजनिक पत्र में कॉजपा ने उनसे अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हुए परीक्षा न्याय के अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प जताया। पत्र में कहा गया, पूरे सम्मान और कृतज्ञता के साथ हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कृपया अपना अनशन समाप्त करें। आपके त्याग ने देशभर के हजारों छात्रों को प्रेरित किया है। वांगचुक कथित परीक्षा अनियमितताओं के मामले में जवाबदेही की मांग कर रहे छात्रों के समर्थन में पिछले 25 दिनों से अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं।

राहुल गांधी का सवाल: 10 सालों में 152 पेपर लीक, फिर भी दोषियों को सजा क्यों नहीं?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नई दिल्ली के इंदिरा भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस ऐसे समय में हो रही है जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं; उन पर हाल ही में हुए NEET पेपर लीक के लिए ज़िम्मेदार होने का आरोप है। राहुल गांधी ने कहा कि सवाल यह है कि हमारे छात्रों के साथ ऐसा क्यों हो रहा है? आखिर हमारे छात्रों ने किया क्या है? सुरक्षा बल उन पर हथियार ताने खड़े हैं। उन्होंने क्या गलत किया है?
शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

छात्रों को लेकर राहुल ने कहा कि वे शांति से विरोध कर रहे हैं, अपनी मांगें रख रहे हैं, और वे वही मांग रहे हैं जो यह देश उन्हें देने का हकदार है। वे बस यही कह रहे हैं कि देश के छात्र होने के नाते, हमें एक ऐसा शिक्षा सिस्टम मिलना चाहिए जो निष्पक्ष हो। बच्चों ने आत्महत्या तक कर ली है। हमारे छात्र बहुत ज्यादा तनाव से गुजरते हैं और आखिर में उन्हें पता चलता है कि पेपर लीक हो गया है। एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, गांधी ने आरोप लगाया कि जिन परिवारों के बच्चे NEET परीक्षा में शामिल होते हैं, वे हर साल लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं। उन्होंने इसकी तुलना शिक्षा बजट से की, जो 1.4 लाख करोड़ रुपये है। राहुल गांधी ने कहा है कि कांग्रेस छात्रों और केंद्र से जवाबदेही की उनकी मांग से पूरी तरह सहमत है। उन्होंने कहा कि एक बात जो सभी को साफ तौर पर पता है, वह यह है कि हमारा एजुकेशन सिस्टम - जिसे कभी दुनिया के सबसे अच्छे सिस्टम में से एक माना जाता था - आज एक धांधली वाला सिस्टम बन गया है... हम यह जानते हैं कि पिछले दस सालों में पेपर लीक के 152 मामले सामने आए हैं। अगर आप हिसाब लगाएं, तो यह लगभग हर महीने एक मामला है। हर महीने, लाखों छात्रों से कहा जाता है कि जिस तनाव से वे गुजरे हैं, उन्हें उससे फिर से गुजरना होगा। इसके बाद उनसे कहा जाता है कि हमें कोई परवाह नहीं है... इससे 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार प्रभावित होते हैं। ये मध्यम वर्गीय और गरीब परिवार हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि वे अपनी मेहनत की कमाई इसमें लगाते हैं और फिर उनके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया जाता है। और सबसे हैरानी की बात यह है कि किसी को भी सजा नहीं हुई है। पिछले 10 सालों में 152 बार पेपर लीक हुए, लेकिन सजा किसी को नहीं मिली। तो कोई व्यक्ति या लोगों का कोई समूह हमारे एजुकेशन सिस्टम को - जो भारत की सबसे कीमती संपत्ति है - बर्बाद कर रहा है और हमारे छात्रों की ज़िंदगी खराब कर रहा है। सरकार क्या करती है? सजा किसी को नहीं मिलती।

प्रधानमंत्री मोदी के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए जाने के एक दिन बाद, राहुल गांधी और विपक्षी दलों के सभी सांसद NEET-UG 2026 पेपर लीक के कथित मामले के विरोध में काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे और सरकार से जवाबदेही और कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि उनकी पार्टी, राहुल गांधी और उनके हर एक सिपाही देश के युवाओं के साथ खड़े हैं।

छात्रों को गुमराह कर रहा विपक्ष! राजनाथ सिंह बोले- उनकी हर चिंता सुनना हमारी जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद, बुधवार को भी जारी रहा। राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, कई स्तरों पर बैरिकेड लगाए गए और पुलिस व अर्धसैनिक बलों के जवानों की भारी तैनाती की गई। वहीं, विपक्ष भी सरकार पर हमलावर है। इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए एक राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार विद्यार्थियों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारत के जागरूक, परिपक्व और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को भली-भांति समझते हैं और वे प्रगति, विकास तथा राष्ट्रनिर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे। राजनाथ ने कहा कि हम इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि किसी भी व्यक्ति, विशेषकर हमारे छात्रों और युवाओं के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय न हो। विपक्ष के कुछ नेताओं द्वारा जान-बूझकर पैदा किया गया गुस्सा केवल जनता, विशेषकर हमारे बच्चों और युवाओं को भ्रमित करने और गुमराह करने का एक असफल प्रयास है।

विधानसभा से कुणाल घोष और लोकसभा से सांसद कल्याण बनर्जी सस्पेंड, सदन में अमर्यादित आचरण पर बड़ी कार्रवाई

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के विधायक कुणाल घोष को विधानसभा से उस दिन के लिए सस्पेंड कर दिया गया, जब उन्होंने होम और हिल अफेयर्स बजट पर चर्चा के दौरान बागी TMC चीफ व्हिप अखरुज्जमां की बात में दखल दिया। स्पीकर के आदेश के बाद, मार्शल कुणाल घोष को जबरदस्ती सदन से बाहर ले गए। मंत्री तापस रॉय ने स्पीकर से कुणाल घोष को इस सत्र के लिए सस्पेंड करने का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने घोष के व्यवहार को स्वीकार्य नहीं बताया। सीएम अधिकारी ने कहा कि इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। हम भी विपक्ष में हैं, लेकिन कुछ ज़िम्मेदारी होती है। अखरुज्जमां एक सीनियर विधायक हैं और उनके पिता भी लंबे समय तक विधायक रहे थे। इस बीच, एक और घटनाक्रम में, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी को संसद के मौजूदा मॉनसून सत्र की बाकी अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया। यह प्रस्ताव महिला सांसदों के प्रति अभद्र व्यवहार और अमर्यादित भाषा के इस्तेमाल के आरोपों के बाद लाया गया। यह प्रस्ताव तब पेश किया गया जब सदन की अध्यक्षता कर रहे टीडीपी सांसद केपी तेनेटी ने सदन को बताया कि स्पीकर को बनर्जी के कथित व्यवहार और भाषा को लेकर एक लिखित शिकायत मिली है। इसके बाद सदन ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि बनर्जी ने संसद की कार्यवाही के दौरान अभूतपूर्व व्यवहार किया और महिलाओं के प्रति नफरत भरे अंदाज में एनसीपीआई सदस्यों और मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ मौखिक दुर्व्यवहार किया।

सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील, अभिजीत दिपके बोले- आंदोलन को हम आगे बढ़ाएंगे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से अपनी भूख हड़ताल खत्म करने का अनुरोध किया है। वांगचुक 25 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं और अभी मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। CJP ने अपने अनुरोध में कहा कि आपके त्याग ने एक पीढ़ी को प्रेरित किया है। हम आपसे सम्मानपूर्वक अनुरोध करते हैं कि आप अपना अनशन समाप्त करें और अपनी सेहत का ध्यान रखें। हम वादा करते हैं कि परीक्षा में न्याय की लड़ाई तब तक और भी मजबूती से जारी रहेगी जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं। उन्होंने कहा कि हम इस आंदोलन को आगे बढ़ाएंगे। CJP के संस्थापक अभिजीत दिपके ने भी वांगचुक से अपना अनशन खत्म करने का अनुरोध किया। इससे पहले, वांगचुक ने कहा था कि अगर सांसद और राजनीतिक दलों के नेता उन्हें भरोसा दिलाएं कि संसद के मॉनसून सत्र के दौरान शिक्षा क्षेत्र में जवाबदेही का मुद्दा उठाया जाएगा, तो वह अपना अनशन खत्म कर देंगे। हालांकि, 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संसद चलो मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई के बाद, एक्टिविस्ट ने घोषणा की कि जब तक ऐसा आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक वे अपना अनशन जारी रखेंगे। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि विपक्षी सांसदों का एक दल गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से मिलने जाएगा।

कांग्रेस को मिला मौका, हमारा क्या?: संसद में अखिलेश ने जताई नाराजगी, कहा- सरकार के साथ कोई डील तो नहीं हो गई

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को नीट पेपर लीक और प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर भारी हंगामा हुआ। संसद की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और मामले पर तुरंत चर्चा कराने की मांग रखी। इस दौरान लोकसभा स्पीकर ने कांग्रेस और भाजपा के सदस्यों को अपनी बात रखने का अवसर दिया। इससे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव नाराज हो गए। उन्होंने स्पीकर पर खुद को बोलने का मौका न देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आपने इनको और उनको बोलने का मौका दे दिया, पर हमारा क्या। आपने समझौता कर लिया क्या? सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यह विषय किसी एक राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश के छात्रों और नौजवानों के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर छात्रों की आवाज नहीं सुनी गई तो हम सड़कों पर उतरेंगे। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर उन्होंने कहा- इस्तीफा तो क्या है, इस्तीफा तो जब चाहेंगे, तब मंत्री से ले लेंगे। अगर मंत्री सदन में इस्तीफा नहीं देंगे तो सदन के बाहर इस्तीफा ले लेंगे। इसके साथ ही उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों और नेताओं के हाथ तोड़े गए, सिर फोड़े गए और कपड़े फाड़े गए।

अखिलेश यादव ने बताया कि वह और राहुल गांधी मजबूरी में प्रधानमंत्री आवास गए थे। अगर संसद के भीतर उनकी बात सुन ली जाती, तो उन्हें वहां जाने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री संसद के बाहर तो बोल सकते हैं, लेकिन देश के युवाओं के लिए सदन के भीतर आकर क्यों नहीं बोल रहे। अखिलेश से पहले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सदन में बोलते हुए कहा, संसद में कोई भी चर्चा तय नियमों और व्यवस्था के तहत ही होती है। रिजिजू ने स्पीकर से अनुरोध किया कि सभी दलों के फ्लोर नेताओं के साथ बातचीत करके चर्चा का नियम, समय और दिन तय किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार नीट और पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर सार्थक चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके बाद स्पीकर ने सदन में मौजूद सदस्यों से पूछा कि क्या सभी लोगों की बातें मुझ तक पहुंच गई हैं। आप भी चर्चा चाहते हैं और ये भी चर्चा जाते हैं। सरकार चर्चा करने को तैयार है। इसके बाद स्पीकर ने विपक्ष से पूछा कि इस मुद्दे पर कब चर्चा करनी है और कितनी देर चर्चा करनी है।

संपादक की कलम से

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं।

ललित शर्मा
संपादक

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मयार्दाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है। राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रूवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मयार्दा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं।

आज में जो जीते हैं, वही इतिहास रचते हैं

किशन भावनानीं

कविता

जो बेफि क्र मिजाज रखते हैं,
वो आंधियों में भी रोशनी रखते हैं।
जिनको कल की सोच नहीं,
वो आज में ही इतिहास रचते हैं

हर मुश्किल को मुस्कुराकर गले लगाते हैं,
गिरकर भी नए हौसलों से फिर उठ जाते हैं।
रास्ते बदल जाएँ तो मंज़िल नहीं बदलते,
अपने विश्वास से हर अँधेरा पिघला जाते हैं।

जब इरादों में सच्चाई का उजाला रहता है,
तब हर कदम पर विश्वास का पहरा रहता है।
तकदीर भी उन्हीं के आगे सिर झुकाती है,
जो कर्म को ही अपना सबसे बड़ा सहारा कहते हैं।

समय की धूप उन्हें कभी डरा नहीं पाती,
संघर्ष की रात भी उन्हें झुका नहीं पाती।
हर अनुभव को सीख बनाकर आगे बढ़ते हैं,
इसीलिए उनकी राह कभी रुक नहीं पाती।

चेहरे की मुस्कान उनका सबसे बड़ा धन होती है,
सादगी ही उनकी सबसे सुंदर पहचान होती है।
किशन दूसरों के दिलों में उम्मीद के दीप जलाकर,
उनकी हर साँस किसी दुआ के समान होती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

छात्र आंदोलनः मुद्दों से भटकती बहस और भविष्य की चिंता

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन केवल अधिकार नहीं, बल्कि जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक प्रभावी माध्यम भी है। जब व्यवस्था में कोई गंभीर खामी सामने आती है, तब जनता अपनी आवाज बुलंद करती है और सरकार से जवाब मांगती है। विशेष रूप से जब मामला लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा हो, तब विरोध का स्वर और अधिक स्वाभाविक हो जाता है। ठएएळ जैसी राष्ट्रीय परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक की खबरों ने पूरे देश के युवाओं और उनके अभिभावकों को चिंतित किया। वर्षों की कठिन मेहनत के बाद यदि किसी परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग जाए, तो आक्रोश पैदा होना असामान्य नहीं है। किंतु इस पूरे घटनाक्रम ने एक बड़ा प्रश्न भी खड़ा किया कि क्या छात्र आंदोलनों का उद्देश्य वास्तव में छात्रों का भविष्य रह गया है, या फिर वे धीरे-धीरे राजनीतिक और वैचारिक संघर्षों का मंच बनते जा रहे हैं?

किसी भी छात्र आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत उसकी नैतिकता होती है। जब छात्र अपने अधिकारों और भविष्य के लिए संघर्ष करते हैं, तब समाज उनके साथ खड़ा होता है। अभिभावक, शिक्षक और आम नागरिक भी उनकी मांगों को उचित मानते हैं। लेकिन जैसे ही आंदोलन का केंद्र बदलने लगता है और मूल मुद्दे से असंबंधित विषय मंच पर आने लगते हैं, तब उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यदि परीक्षा में गड़बड़ी के विरोध का मंच ऐसे नारों, भाषणों या विवादों का केंद्र बन जाए जिनका शिक्षा व्यवस्था से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, तो आंदोलन की गंभीरता कम होती है और वास्तविक मुद्दा पीछे छूट जाता है। आज देश का युवा पेपर लीक से परेशान है। उसे इस बात की चिंता है कि वर्षों की मेहनत कहीं किसी अपराधी गिरोह की वजह से व्यर्थ न चली जाए। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह होना चाहिए कि पेपर लीक कैसे रुकेंगे, परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित कैसे बनाया जाएगा, दोषियों को कितनी जल्दी और कितनी कठोर सजा मिलेगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कौन-से संस्थागत सुधार किए जाएंगे। यदि इन मूल प्रश्नों के स्थान पर केवल राजनीतिक नारे और सरकार विरोध या सरकार समर्थन की बहस प्रमुख हो जाए, तो समाधान की दिशा कमजोर पड़ जाती है। यह भी स्वीकार करना होगा कि पेपर लीक कोई नई समस्या नहीं है। अलग-अलग राज्यों में, अलग-अलग सरकारों के समय विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के मामले सामने आते रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि समस्या किसी एक दल, एक मंत्री या एक सरकार तक सीमित नहीं है। समस्या उस तंत्र में है जिसमें अपराधी गिरोह सेंध लगाने में सफल हो जाते हैं। इसलिए यदि हर बार केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक ही चर्चा सीमित रहेगी, तो वास्तविक अपराधी बच निकलेंगे और विद्यार्थी बार-बार पीड़ित होंगे। किसी मंत्री का इस्तीफा लोकतांत्रिक जवाबदेही का विषय हो सकता है, लेकिन यह अपने आप में अंतिम समाधान नहीं है। मंत्री बदलने से व्यवस्था तभी बदलेगी जब प्रशासनिक सुधार, तकनीकी सुरक्षा, पारदर्शी जांच और कठोर दंड व्यवस्था लागू होगी। यदि जड़ पर प्रहार नहीं होगा तो केवल चेहरे बदलने से परिणाम नहीं बदलेंगे।

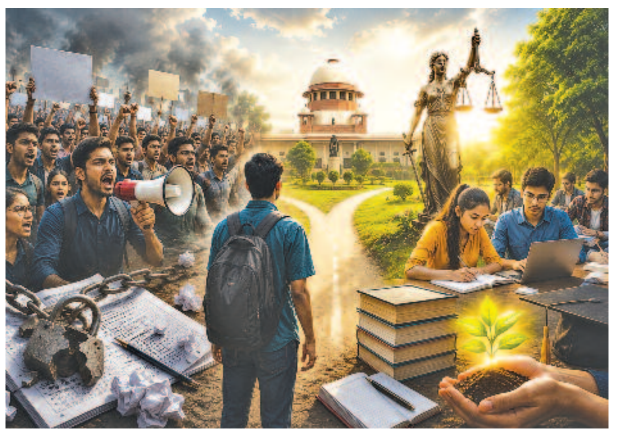

इसलिए छात्र आंदोलनों का केंद्र व्यक्ति नहीं, व्यवस्था में सुधार होना चाहिए। सोशल मीडिया के दौर में आंदोलनों की दिशा बहुत तेजी से बदलती है। कुछ सेकंड की वीडियो क्लिप, एक नारा या एक पोस्ट पूरे आंदोलन की छवि तय कर देती है। यही कारण है कि आंदोलन से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। यदि मंच पर ऐसे नारे सुनाई दें जिनका परीक्षा या शिक्षा से कोई संबंध न हो, तो आम नागरिक यह सोचने पर विवश हो जाता है कि क्या आंदोलन का मूल उद्देश्य वही है जो शुरूआत में बताया गया था। लोकतंत्र में विचारधाराओं का स्थान है, लेकिन जब छात्र आंदोलन वैचारिक प्रतिस्पर्धा का माध्यम बन जाए, तब सबसे बड़ा नुकसान उन्हीं छात्रों का होता है जिनके नाम पर आंदोलन शुरू हुआ था।

सार्वजनिक जीवन में सक्रिय किसी भी व्यक्ति-चाहे वह सामाजिक कार्यकर्ता हो, छात्र नेता हो या आंदोलन का चेहरा-उसकी बातों से सहमति और असहमति दोनों हो सकती हैं। लोकतंत्र इसी विविधता का नाम है। लेकिन किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन व्यक्तियों की लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्य और परिणामों से होना चाहिए। यदि आंदोलन छात्रों के भविष्य के लिए शुरू हुआ है, तो उसकी हर गतिविधि, हर नारा और हर मांग उसी उद्देश्य को मजबूत करने वाली होनी चाहिए। अन्यथा समाज का विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। आज आवश्यकता केवल दोषारोपण की नहीं, बल्कि व्यापक सुधार की है। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए अत्याधुनिक डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी। प्रश्नपत्रों के निर्माण से लेकर वितरण तक हर चरण में जवाबदेही तय करनी होगी। साइबर सुरक्षा को मजबूत करना होगा। पेपर लीक में शामिल संगठित गिरोहों की संपत्ति जब्त करने, त्वरित न्याय और आजीवन प्रतिबंध जैसे कठोर उपायों पर गंभीरता से विचार करना होगा। जब तक अप ाधियों को यह भय नहीं होगा कि उनके की कीमत बहुत भारी होगी, तब तक समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। सत्ता पक्ष को आलोचना से बचने के बजाय पारदर्शी कार्रवाई करनी चाहिए, जबकि विपक्ष को केवल सरकार की आलोचना तक सीमित रहने के बजाय रचनात्मक सुझाव भी देने चाहिए। यदि हर समस्या केवल राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखी जाएगी, तो छात्रों का विश्वास लोकतांत्रिक संस्थाओं से कम होता जाएगा। शिक्षा और युवाओं का भविष्य किसी भी राजनीतिक लाभ से कहीं अधिक महत्वपूर्ण विषय है। समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। कई बार हम सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, अधूरी सूचनाओं या भावनात्मक संदेशों के आधार पर तुरंत पक्ष-विपक्ष तय कर लेते हैं। जबकि किसी भी आंदोलन या विवाद का मूल्यांकन तथ्यों, प्रमाणों और संतुलित दृष्टिकोण से होना चाहिए। लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, लेकिन असहमति तभी सार्थक होती है जब वह विवेक और जिम्मेदारी के साथ व्यक्त की जाए। छात्रों को भी यह समझना होगा कि उनकी सबसे बड़ी शक्ति उनकी नैतिक विश्वसनीयता है। यदि वे अपने मुद्दों पर एकजुट रहेंगे, तो पूरा समाज उनके साथ खड़ा होगा। लेकिन यदि उनका आंदोलन राजनीतिक ध्रुवीकरण का माध्यम बन जाएगा, तो उनकी वास्तविक मांगें पीछे छूट जाएँगी। इतिहास गवाह है कि सफल जनांदोलन वही रहे हैं जिन्होंने अपने मूल उद्देश्य को कभी नहीं छोड़ा। भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में है। यह जनसंख्या हमारी सबसे बड़ी ताकत भी है और सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी। यदि युवाओं का विश्वास परीक्षा प्रणाली, शिक्षा व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं से डगमगाने लगे, तो उसका प्रभाव केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य पर पड़ेगा। इसलिए पेपर लीक जैसी घटनाओं को केवल समाचार या राजनीतिक विवाद मानकर छोड़ देना उचित नहीं होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, न्यायपालिका, जांच एजेंसियाँ, शैक्षणिक संस्थान, अभिभावक, शिक्षक और छात्र-सभी मिलकर ऐसी व्यवस्था तैयार करें जिसमें मेहनत का सम्मान हो, प्रतिभा को अवसर मिले और किसी भी छात्र को यह भय न रहे कि उसकी सफलता किसी अपराधी गिरोह की वजह से छिन सकती है। लोकतंत्र में आंदोलन आवश्यक हैं, लेकिन आंदोलन तभी प्रभावी होते हैं जब वे अपने मूल उद्देश्य से न भटकें। यदि लक्ष्य छात्रों का भविष्य है, तो बहस भी उसी पर केंद्रित रहनी चाहिए। व्यक्ति आएँगे-जाएँगे, सरकारें बदलेंगी, राजनीतिक दल सत्ता में आएँगे और जाएंगे, लेकिन भारत का भविष्य आज का विद्यार्थी ही तय करेगा। इसलिए छात्र आंदोलनों को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि शिक्षा सुधार और पारदर्शी व्यवस्था का माध्यम बनाना ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उपग्रहों की बाढ़ः क्या पृथ्वी की कक्षा एक लाख और उपग्रहों का भार संभाल पाएगी?

डॉ विजय गर्ग
लेखक

मानव सभ्यता ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कभी उपग्रह प्रक्षेपण केवल कुछ शक्तिशाली देशों तक सीमित था, लेकिन आज पुनः प्रयोज्य रॉकेटों, छोटे आकार के उपग्रहों और निजी अंतरिक्ष कंपनियों के कारण अंतरिक्ष तक पहुंच पहले से कहीं अधिक आसान और सस्ती हो गई है। वर्तमान में पृथ्वी की कक्षा में लगभग 16,000 उपग्रह सक्रिय और निष्क्रिय रूप में मौजूद हैं, जबकि आने वाले वर्षों में एक लाख से अधिक नए उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। ऐसे में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है-क्या पृथ्वी की कक्षा इतनी बड़ी संख्या में उपग्रहों को सुरक्षित रूप से संभाल सकेगी?

अंतरिक्ष बन रहा है नई अर्थव्यवस्था का आधार

आज का आधुनिक जीवन उपग्रहों के बिना लगभग असंभव है। मोबाइल संचार, जीपीएस नेविगेशन, मौसम पूर्वानुमान, टेलीविजन प्रसारण, इंटरनेट सेवाएं, बैंकिंग, कृषि, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा-इन सभी क्षेत्रों में उपग्रहों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

दुनिया भर की कंपनियां तेज गति की इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए हजारों उपग्रहों के समूह विकसित कर रही हैं। इससे अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक अनुसंधान का क्षेत्र नहीं रह गया, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

उपग्रहों की संख्या इतनी तेजी से क्यों बढ़ रही है?

पहले उपग्रह बड़े, भारी और अत्यधिक महंगे होते थे। लेकिन आज क्यूबसैट और अन्य छोटे उपग्रह कम लागत में बनाए जा सकते हैं। इससे विश्वविद्यालयों, स्टार्टअप कंपनियों और विकासशील देशों को भी अंतरिक्ष मिशनों में भाग लेने का अवसर मिल रहा है। साथ ही पुनः प्रयोज्य रॉकेटों ने प्रक्षेपण लागत को काफी कम कर दिया है। परिणामस्वरूप निजी कंपनियां हजारों उपग्रहों के विशाल नेटवर्क स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

पृथ्वी की कक्षा में बढ़ती भीड़

अंतरिक्ष असीमित दिखाई देता है, लेकिन उपग्रहों के लिए उपयोगी कक्षाएं सीमित हैं। विशेष रूप से लो अर्थ

ऑर्बिट, जहां अधिकांश संचार और पृथ्वी अवलोकन उपग्रह संचालित होते हैं, तेजी से भीड़भाड़ वाली होती जा रही है।

जैसे-जैसे उपग्रहों की संख्या बढ़ रही है, टकराव की संभावना भी बढ़ रही है। एक छोटी-सी टक्कर भी हजारों मलबे के टुकड़े उत्पन्न कर सकती है, जो लगभग 25,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं। इतनी तेज गति वाला छोटा-सा टुकड़ा भी किसी सक्रिय उपग्रह या अंतरिक्ष यान को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है।

अंतरिक्ष मलबाः एक अदृश्य खतरा

पृथ्वी की कक्षा में केवल कार्यरत उपग्रह ही नहीं हैं। वहां निष्क्रिय उपग्रह, पुराने रॉकेटों के अवशेष और लाखों छोटे-बड़े मलबे के कण भी मौजूद हैं। इनमें से अधिकांश इतने छोटे हैं कि उन्हें लगातार ट्रैक करना कठिन होता है, लेकिन वे किसी भी समय टक्कर का कारण बन सकते हैं। वैज्ञानिकों को सबसे अधिक चिंता केसलर सिंड्रोम की है। इस स्थिति में एक टक्कर से उत्पन्न मलबा दूसरी टक्कर का कारण बनता है और यह क्रम लगातार चलता रहता है। यदि ऐसा हुआ तो पृथ्वी की कुछ कक्षाएं लंबे समय तक उपयोग के लिए असुरक्षितहो सकती हैं।

स्पेस ट्रैफिक मैनेजमेंट की आवश्यकता

जिस प्रकार सड़कों पर यातायात नियम और हवाई जहाजों के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल होता है, उसी प्रकार अब अंतरिक्ष के लिए भी स्पेस ट्रैफिक मैनेजमेंट की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

इसके अंतर्गतः

सभी उपग्रहों और अंतरिक्ष मलबे की लगातार निगरानी की जाए। विभिन्न देशों और निजी कंपनियों के बीच कक्षीय जानकारी साझा की जाए। टकराव से बचने के लिए वैश्विक नियम बनाए जाएं। मिशन समाप्त होने के बाद उपग्रहों को सुरक्षित रूप से कक्षा से हटाया जाए। अंतरिक्ष में मलबा कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन किया जाए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता बनेगी बड़ी सहायक

भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) अंतरिक्ष प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एआई संभावित टक्करों का पहले से अनुमान लगा सकेगी, उपग्रहों की कक्षाओं को स्वतः समायोजित कर सकेगी और अंतरिक्ष यातायात का अधिक कुशल प्रबंधन कर सकेगी। वैज्ञानिक रोबोटिक अंतरिक्ष यानों, जाल (Nets), चुंबकीय प्रणालियों और लेजर तकनीक के माध्यम से अंतरिक्ष मलबे को हटाने की तकनीकों पर भी काम कर रहे हैं। यदि ये प्रयास सफल होते हैं, तो भविष्य में अंतरिक्ष को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

वैश्विक सहयोग ही समाधान

अंतरिक्ष किसी एक देश की संपत्ति नहीं है। इसलिए इसकी सुरक्षा और सतत उपयोग के लिए सभी देशों, अंतरिक्ष एजेंसियों और निजी कंपनियों को मिलकर काम करना होगा। साझा नियम, पारदर्शिता और जिम्मेदार व्यवहार ही भविष्य में अंतरिक्ष को सुरक्षित बनाए रख सकते हैं।

भविष्य की दिशा

आने वाले वर्षों में हजारों नए उपग्रह दुनिया के दूरदराज क्षेत्रों तक इंटरनेट पहुंचाएंगे, जलवायु परिवर्तन की निगरानी करेंगे, प्राकृतिक आपदाओं की चेतावनी देंगे, कृषि को अधिक स्मार्ट बनाएंगे और वैज्ञानिक अनुसंधान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

लेकिन यह तभी संभव होगा जब पृथ्वी की कक्षा सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनी रहे। उपग्रहों का तेजी से बढ़ता जाल मानव तकनीकी क्षमता का अद्भुत उदाहरण है, लेकिन इसके साथ नई जिम्मेदारियां भी जुड़ी हैं। एक लाख नए उपग्रहों का युग केवल अधिक प्रक्षेपण करने का नहीं, बल्कि अंतरिक्ष का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने का युग होगा।

पृथ्वी की कक्षा का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम कितने उपग्रह अंतरिक्ष में भेजते हैं, उससे भी अधिक इस बात पर कि हम अंतरिक्ष के इस साझा मार्ग का कितना बुद्धिमानी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैश्विक सहयोग के साथ प्रबंधन करते हैं। यदि हमने समय रहते उचित कदम नहीं उठाए, तो अंतरिक्ष की भीड़ आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है।

वैक्सीन बीमारी ठीक करने के लिए नहीं, बल्कि शरीर की प्रतिरक्षा शक्ति को मजबूत करने के लिए होती है

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक

इन दिनों देश में एक बार फिर डेंगू का खतरा बढ़ने लगा है। मानसून सक्रिय होते ही डेंगू फैलाने वाले मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ जाती है। कई मामलों में यह बीमारी जानलेवा भी साबित होती है। डेंगू में तेज बुखार के साथ शरीर में प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से घटने लगती है। यह रोग एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। साल 2024 में भारत में डेंगू से 297 लोगों की मौत हुई, जबकि हर वर्ष लाखों लोग इससे संक्रमित होते हैं। अब पहली बार भारत में डेंगू से बचाव के लिए जापान की फार्मा कंपनी ताकेदा द्वारा विकसित क्यूडेंगा वैक्सीन को मंजूरी दी गई है। भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के अनेक देशों में मानसून के दौरान डेंगू, मलेरिया और अन्य मच्छरजनित रोग तेजी से फैलते हैं। विशेष रूप से एशिया और अफ्रीका के देशों में यह एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है। मलेरिया के बाद डेंगू मच्छरजनित रोगों में सबसे अधिक जान लेने वाली बीमारी मानी जाती है। इसी गंभीर खतरे को कम करने और लोगों को डेंगू के जानलेवा प्रभाव से बचाने के उद्देश्य से भारत में क्यूडेंगा वैक्सीन को मंजूरी दी गई है। विशेषज्ञ बताते हैं कि वायरस को एंटीबायोटिक दवाओं से समाप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह शरीर की जीवित कोशिकाओं के भीतर छिपकर बढ़ता है। ऐसे में सवाल उठता है कि वैक्सीन कैसे काम करती है? असल में वैक्सीन वायरस को नहीं मारती। उसका काम शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून

सिस्टम) को पहले से प्रशिक्षित करना होता है। वैक्सीन शरीर को पहले ही यह जानकारी दे देती है कि यदि भविष्य में कोई विशेष वायरस हमला करे तो उससे कैसे मुकाबला करना है। जब असली वायरस शरीर में प्रवेश करता है तो प्रतिरक्षा प्रणाली उसे पहचानने में कुछ समय लेती है। इस दौरान वायरस तेजी से बढ़कर बीमारी को गंभीर बना सकता है। लेकिन यदि व्यक्ति पहले से वैक्सीन ले चुका हो, तो शरीर उस वायरस को तुरंत पहचान लेता है और उसके खिलाफ तेजी से एंटीबॉडी तथा प्रतिरक्षा कोशिकाएं सक्रिय हो जाती हैं। परिणामस्वरूप संक्रमण होने पर भी बीमारी या तो होती ही नहीं या बहुत हल्की रहती है। अधिकांश लोग डेंगू को एक ही बीमारी मानते हैं, जबकि इसके पीछे चार अलग-अलग वायरस (सीरोटाइप) होते हैं-DENV-1, DENV-2, DENV-3 AüSX DENV-4। यदि किसी व्यक्ति को एक बार डेंगू हो जाए, तो यह जरूरी नहीं कि वह भविष्य में पूरी तरह सुरक्षित हो जाए। दूसरी बार किसी दूसरे सीरोटाइप से संक्रमण होने पर बीमारी कई बार पहले से अधिक गंभीर हो सकती है। इसी कारण वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऐसी वैक्सीन विकसित करने की थी, जो चारों प्रकार के वायरस के विरुद्ध प्रतिरक्षा प्रदान कर सके। क्यूडेंगा इसी सिद्धांत पर विकसित की गई टेट्रावैलेंट वैक्सीन है, जो चारों सीरोटाइप के विरुद्ध प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करती है।

दुनिया में डेंगू की भयावह स्थिति

विश्वभर में डेंगू लगातार बड़ी चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष लगभग 1.5 करोड़ लोग इस बीमारी से संक्रमित होते हैं और लगभग 10 हजार लोगों की मौत हो जाती है। भारत भी डेंगू से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है। हर वर्ष लाखों लोग संक्रमित होते हैं और सैकड़ों लोगों की जान चली जाती है। मानसून के बाद हजारों मरीज अस्पताल पहुंचते हैं और कई बार बीमारी जानलेवा रूप ले लेती है। दुनिया में डेंगू की वैक्सीन पहले भी उपलब्ध थी, लेकिन उसे लगाने से पहले यह जांच करनी पड़ती थी कि व्यक्ति को पहले कभी डेंगू हुआ है या नहीं। क्यूडेंगा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे लगाने से पहले ऐसी जांच की आवश्यकता नहीं होती। इससे बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाना आसान होगा, विशेषकर एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में जहां हर वर्ष लाखों लोग डेंगू से प्रभावित होते हैं। क्लीनिकल परीक्षणों में यह पाया गया कि क्यूडेंगा वैक्सीन डेंगू के कारण अस्पताल में भर्ती होने के खतरे को लगभग 84 प्रतिशत तक कम कर देती है।

जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी बोले: राहुल गांधी प्रकरण पर कांग्रेस नेताओं को किया नजरबंद, बिजली बिल व खाद संकट पर सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में बुधवार को हापुड़ में कांग्रेस नेताओं को उनके आवासों पर नजरबंद किए जाने का दावा किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी का कहना है कि इसी दिन किसानों को डीएपी-यूरिया की उपलब्धता और बढ़े हुए बिजली बिलों के मुद्दे पर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा जाना था।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10:30 बजे से उन्हें उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया। उनका आरोप है कि राहुल गांधी के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं के दिल्ली कूच की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यह कदम उठाया। उन्होंने इसे सरकार का 'तानाशाहीपूर्ण रवैया' बताया।बाद में जिला कांग्रेस मुख्यालय पर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने एसएचओ हापुड़ मनीष चौहान और तहसीलदार स्वाति गुप्ता को महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।शहर कांग्रेस अध्यक्ष इरफान अहमद ने कहा कि प्रदेश में किसानों को डीएपी और यूरिया खाद के लिए लंबी कतारों में लगना पड़ रहा है, जबकि आम उपभोक्ता बढ़े हुए बिजली बिलों और स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं से परेशान हैं। उन्होंने राज्यपाल से हस्तक्षेप कर किसानों और आम जनता को राहत दिलाने की मांग की। ज्ञापन में प्रमुख मांगें:किसानों को डीएपी और यूरिया खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।बढ़े हुए बिजली बिलों और स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतों का समाधान किया जाए।राज्य सरकार किसानों और आम उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करे।इस दौरान मौजूद रहे:पूर्व विधायक गजराज सिंह, पूर्व धौलाना विधानसभा प्रत्याशी पंडित अरविंद शर्मा, पूर्व शहर अध्यक्ष दिनेश चंद शर्मा, पिलखुवा नगर अध्यक्ष रजनीश त्यागी, रश्मि चौधरी, चौधरी मुरसलीन, आई.सी. शर्मा, रामलाल आर्य, हर्ष कुमार सिरोही, गौरव गर्ग, सुबोध शास्त्री, सुशील शास्त्री, नरेश भाटी, कपिल शर्मा, विनोद जाटव, एडवोकेट फुरकान, आदेश शर्मा, डालचंद शर्मा, लोकपाल सागर, अनूप कर्दम, गुलफाम अली, जस्सा सिंह, कुसुम लता, सविता गौतम, यशपाल ढीलोर, सुरेंद्र सिंह, देवेंद्र कुमार, गोपाल भारती, महबूब अली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के द्वारा शूटिंग के खिलाड़ी रूद्र कर्दम को मेडल पहनकर किया सम्मानित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में 49 बी यू0 पी0 स्टेट चैंपियनशिप जोकि दिल्ली करणी सिंह शूटिंग रेंज में 21 जून से 23 जून 2026 तक आयोजित की गई थी उसमें रूद्र कर्दम ने जीत का परचम लहराया रूद्र कर्दम ने 10 मीटर एयर पिस्टल में प्रथम स्थान 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल व्यक्तिगत एवं टीम में प्रथम स्थान 50 मी टीम इवेंट में द्वितीय स्थान प्राप्त कर किया जिला अधिकारी महोदया द्वारा रूद्र कर्दम को मेडल पहनकर सम्मानित किया और बहुत-बहुत बधाई भी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी।

साथ जसपाल राणा मेमोरियल ऑल इंडिया शूटिंग कंपटीशन जो की त्रिशूल शूटिंग रेंज महाराणा प्रताप स्टेडियम देहरादून उत्तराखंड में 13 से 30 जुलाई तक आयोजित प्रतियोगिता में रुद्र कर्दम ने 25 मी स्पोर्ट्स पिस्टल में ऑल इंडिया 278 स्कोर के साथ 4th रैंक प्राप्त किया। इस अवसर पर उपकीड़ा अधिकारी अरुणा भी मौजूद रही।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य की अध्यक्षता में हुई महिला उत्पीड़न की जनसुनवाई

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के सदस्य डॉक्टर हिमानी अग्रवाल जी की अध्यक्षता में मेरठ रोड स्थित सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस जनपद हापुड़ में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जनपद में हिंसा से पीड़ित 15 महिलाओं की जनसुनवाई की गई जिसमें पारिवारिक विवाद ,दहेज उत्पीड़न, मारपीट एवं छेड़ छाड़ से संबंधित, महिलाओं के केस आए जिनका राज्य महिला आयोग सदस्य महोदया द्वारा संबंधित थानों के प्रभारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं उपरोक्त कार्यक्रम के दौरान जनपद की क्षेत्राधिकारी पिलखुआ, अपर उप जिलाधिकारी हापुड़ तहसीलदार हापुड़ मुख्य चिकित्सा अधिकारी हापुड़ जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण कल्याण अधिकारी हापुड़, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी हापुड़ एवं महिला थाना प्रभारी हापुड़ के साथ समस्त संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।इस दौरान जिला प्रोवेशन अधिकारी हापुड़ के साथ जिला प्रोवेशन कार्यालय से अमित कुमार, संरक्षण अधिकारी, रिंकू सिंह सामाजिक कार्यकर्ता,सोनिया प्रभारी वन स्टॉप सेंटर, नेहा त्यागी जिला समन्वयक के साथ अन्य अधिकारी वा कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूसा संस्थान ने असरा गांव में आयोजित किया कृषि प्रशिक्षण शिविर, 300 किसानों को कृषि उपकरण व उन्नत बीज वितरित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली (पूसा संस्थान) द्वारा अनुसूचित जाति उप-योजना (SCSP) के अंतर्गत बुधवार को हापुड़ जनपद के सिंभावली ब्लॉक स्थित ग्राम असरा में कृषि प्रशिक्षण एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईएआरआई, नई दिल्ली के संयुक्त निदेशक (प्रसार) डॉ. रवींद्र पडारिया रहे। उन्होंने किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती अपनाने, उन्नत बीजों का उपयोग करने तथा सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी हापुड़, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) बाबूगढ़ के प्रभारी तथा आईएआरआई के वैज्ञानिक डॉ. संदीप कुमार लाल, डॉ. के.के. सिंह, डॉ. नफीस अहमद, डॉ. सरवन सिंह, डॉ. रेनू सिंह, डॉ. इंदु चोपड़ा, डॉ. बिष्णु माया, डॉ. रजना एवं श्री सोमी सहित अन्य विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में असरा, वझिलपुर, खरखड़ी, सरावा, चपकोली, लुखलाडा, फुलडेरा एवं मुबारकपुर सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों के लगभग 300 महिला एवं पुरुष किसानों ने भाग लिया।एससीएसपी योजना के अंतर्गत प्रत्येक किसान को प्रारंभिक रूप से उन्नत गुणवत्ता के धान के बीज उपलब्ध कराए गए। साथ ही किसानों को व्हील हैंड होज, फावड़ा, दरांती, वर्मी-बेड, स्प्रेयर, छाते, बीज उत्पादन तकनीक संबंधी पुस्तिकाएं तथा एससीएसपी किट का वितरण किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान पूसा संस्थान के कृषि विशेषज्ञों ने उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, फसल प्रबंधन, आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग तथा वैज्ञानिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। किसानों ने विशेषज्ञों से खेती से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका वैज्ञानिकों ने व्यावहारिक समाधान भी बताया। कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना, उनकी उत्पादकता बढ़ाना तथा कृषि को अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाना रहा। किसानों ने पूसा संस्थान द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण एवं कृषि आदान वितरण कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे उनके लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बांसी/सिद्धार्थनगर। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (JNVST)-2027 के माध्यम से शैक्षिक सत्र 2027-28 में कक्षा छह में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक एवं पात्र छात्र-छात्राएं 31 जुलाई 2026 तक निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, बसंतपुर-बांसी के प्राचार्य एन.के. सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन एवं निःशुल्क है। प्रवेश से संबंधित पात्रता, दिशा-निर्देश और अन्य आवश्यक जानकारी विद्यालय की विवरणिका (प्रॉस्पेक्टस) में उपलब्ध है। प्राचार्य ने अभिभावकों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि किसी प्रकार की तकनीकी समस्या से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रवेश परीक्षा से संबंधित सभी नवीनतम जानकारी नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

पंचायत भवन नादेपार का डीएम ने किया निरीक्षण, जनसेवाओं में तेजी लाने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

जोगिया/सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने बुधवार को जोगिया विकासखंड की ग्राम पंचायत नादेपार स्थित पंचायत भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कंप्यूटर कक्ष, अभिलेखों के रखरखाव तथा ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जा रही जनसुविधाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पंचायत सहायक एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि फार्मर रजिस्ट्री, आयुष्मान कार्ड, फैमिली आईडी और ई-श्रम कार्ड बनाने के कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को आय, जाति और निवास प्रमाण-पत्र जैसी मूलभूत सेवाओं के लिए अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। पंचायत सहायक समय पर उपस्थित रहकर सभी ऑनलाइन कार्यों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

डीएम ने निर्देश दिया कि गांवों में डुग्गी-मुनादी कराकर अधिक से अधिक पात्र लोगों को आयुष्मान कार्ड, फार्मर रजिस्ट्री और ई-श्रम कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने जनहित से जुड़ी सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर संचालित करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी जोगिया रामानंद वर्मा, ग्राम पंचायत सचिव प्रदीप सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में नहर में मिला युवक का शव, दो दिन से था लापता

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पथरा/सिद्धार्थनगर। जिले में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव नहर में तैरता मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना पथरा थाना क्षेत्र के खरकट्टी नहर पुल के पास की है, जहां स्थानीय लोगों ने नहर में शव तैरता देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान डुमरियागंज थाना क्षेत्र के बसडीलिया निवासी तनवीर पुत्र अर्श अहमद के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि तनवीर दो दिन पहले घर से निकला था, जिसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में 19 वर्षीय युवती का शव फंदे से लटका मिला

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के चेतिया टोला मदरहिया गांव में मंगलवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में 19 वर्षीय युवती का शव फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान रुक्मणी उर्फ रेनू (19) पुत्री कन्हैया, निवासी ग्राम चेतिया टोला मदरहिया के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि युवती रात में भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने चली गई थी। बुधवार सुबह जब परिजन कमरे में पहुंचे तो उसका शव फंदे से लटका मिला। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मिश्रौलिया थाना पुलिस, चेतिया चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार चौहान तथा फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार, युवती पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रही थी। वहीं, चेतिया चौकी प्रभारी ने बताया कि परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

देश की शिक्षा व्यवस्था को मजाक बना दिया है केंद्र सरकार ने, शिक्षा मंत्री दें इस्तीफा : पं. गोपाल शर्मा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। ऑल इंडिया हिन्दुस्तान काँग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेशाध्यक्ष पं. गोपाल शर्मा ने जारी प्रेस बयान में कहा कि जंतर-मंतर पर पेपर लीक और अन्य छात्र हितों की मांगों को लेकर शांतिपूर्ण धरना दे रहे छात्रों-छात्राओं पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई में सैकड़ों छात्र-छात्राएं घायल हुए, जिसकी पार्टी कड़े शब्दों में निंदा करती है।पं. गोपाल शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार, शिक्षा मंत्रालय तथा यूजीसी की नीतियों के कारण देश के छात्रों का भविष्य अंधकार की ओर बढ़ रहा है।

उनका आरोप है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया हिन्दुस्तान काँग्रेस पार्टी छात्रों-छात्राओं के हितों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होंने मांग की कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दें।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। नई दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस सांसदों और अन्य नेताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार एवं गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने सिद्धार्थनगर जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के बाद कार्यकताओं ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। धरने को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने कहा कि नई दिल्ली में राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता नीट परीक्षा पेपर लीक, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग तथा छात्रों से जुड़े अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप है कि इस दौरान दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेताओं के साथ अमानवीय व्यवहार किया तथा राहुल गांधी को बलपूर्वक हिरासत में लिया, जो लोकतांत्रिक परंपराओं और संविधान की भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी तथा छात्रों और आम जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम भेजे गए ज्ञापन में पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने, कथित रूप से दोषी अधिकारियों और पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने, लोकतांत्रिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा लेने की मांग की गई। धरना-प्रदर्शन में कृष्ण बहादुर सिंह, डॉ. नादिर सलाम, जावेद मोकीम, राजन श्रीवास्तव, सादिक अहमद, बदरे आलम, सतीश चंद्र त्रिपाठी, इश्तियाक चौधरी, मनोज श्रीवास्तव, गालिब बिसेन, पप्पू खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सपा छात्र सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पियूष बाबा वाल्मीकि हाउस अरेस्ट, सरकार पर लगाए आरोप

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पियूष बाबा वाल्मीकि को बुधवार को गोल मार्केट स्थित उनके आवास पर हापुड़ पुलिस ने सुबह से ही हाउस अरेस्ट (डिटेंड) कर रखा। इस दौरान उन्हें घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई। पियूष बाबा वाल्मीकि ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार छात्र-युवा आंदोलनों की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं और छात्रों की जायज मांगों को उठाने से उन्हें कब तक रोक पाएगी।

उनका कहना है कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना हर नागरिक का अधिकार है।उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती। समाजवादी छात्र सभा और समाजवादी पार्टी के नौजवान इस आंदोलन का लगातार समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने सरकार से छात्रों की समस्याओं का समाधान करने और लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान करने की मांग की। वहीं, हाउस अरेस्ट की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा बनी हुई है।

सीएम धामी ने आर.सी. लोहनी द्वारा लिखित पुस्तक 'सेवा विधि' का विमोचन किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास में पूर्व अपर सचिव आर.सी. लोहनी द्वारा लिखित पुस्तक 'सेवा विधि' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने पुस्तक को अत्यन्त उपयोगी बताते हुए इस प्रयास के लिए लोहनी के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी सेवा में नियुक्त प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी का कर्तव्य होता है कि वह सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और पूरे समर्पण के साथ राज्य के विकास में अपनी सहभागिता निभाए। किन्तु किसी भी व्यवस्था को सुचारू, सरल और त्वरित रूप से चलाने के लिए नियमों और प्रक्रियाओं की सही जानकारी होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य बनने के बाद अब तक ऐसी कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं थी, जिसमें सरकारी सेवा से जुड़े नियम, संवैधानिक प्रावधान, शासनादेश और माननीय न्यायालयों के महत्वपूर्ण निर्णय एक ही स्थान पर सरल और व्यवस्थित रूप में मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मात्र एक पुस्तक नहीं है, बल्कि हमारे प्रदेश के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक व्यवहारिक मार्गदर्शिका है, जो उन्हें अपने सेवाकाल में हर कदम पर सही दिशा और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने का काम करेगी। सरकारी नौकरी को सेवा इसलिए कहा जाता है क्योंकि जब कोई व्यक्ति सरकार के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है, तो उसका हर निर्णय सीधे तौर पर समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि जब कोई अधिकारी या कर्मचारी किसी नागरिक की समस्या का समाधान करता है, किसी गरीब को उसका अधिकार दिलाता है, किसी किसान, महिला, युवा या बुजुर्ग तक सरकारी योजना का लाभ पहुँचाता है, तब वो वास्तव में राष्ट्रसेवा ही कर रहा होता है। इसीलिए एक लोकसेवक के लिए केवल ईमानदारी ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि नियमों, कानूनों और प्रक्रियाओं की गहरी समझ भी उतनी ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वयं अनुभव किया है कि कुछ अधिकारी ऐसे होते हैं, जो नियमों की आत्मा को समझते हैं। वे नियमों को बाधा नहीं बनने देते, बल्कि उन्हीं नियमों के भीतर जनहित का रास्ता खोज लेते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल नियमों का पालन करना ही नहीं, बल्कि जनता का जीवन सरल बनाना है। नियम व्यवस्था बनाए रखने के लिए होते हैं, लेकिन उनका अंतिम उद्देश्य जनकल्याण होना चाहिए। पुस्तक के लेखक आर.सी. लोहनी ने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से सरकारी सेवाओं में संवैधानिक व्यवस्थाओं, अधिनियमों, नियमों, विनियमों एवं शासनादेशों तथा मा. उच्चतम न्यायालय तथा मा० उच्च न्यायालयों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों को ध्यान में रखा गया है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, पूर्व अपर सचिव भूपेश तिवारी, जी.बी. ओली, रमेशचन्द्र शर्मा, हन्सादत्त पाण्डेय, पूर्व संयुक्त सचिव नवीन सिंह तडानी सहित डॉ. डी.एस. रावत, कर्नल (से.नि.) शिव सहरावत, वैज्ञानिक (से.नि.) पी.सी.वर्मा, उपायुक्त परिवहन सुनील शर्मा, अनुभाग अधिकारी दीपक जोशी, रणधीर अरोड़ा, पूरन सिंह रावत, अश्विनी सिंह नेगी, आर.सी.एस. बिष्ट, विकास श्रीवास्तव एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जौहर यूनिवर्सिटी में चल रहे विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए हाफिज नूर अहमद अजहरी, तंजीन फातिमा से की मुलाकात

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ऑफ इंडिया के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हाफिज नूर अहमद अजहरी अपनी टीम के साथ रामपुर पहुंचे और मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी परिसर में चल रहे विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शन में मौजूद लोगों से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उनके साथ तालीमी बेदारी मुहिम से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।बताया गया कि तालीमी बेदारी मुहिम के तहत निकाला गया कारवां जौहर यूनिवर्सिटी परिसर पहुंचा, जहां संस्थान से जुड़े जिम्मेदार पदाधिकारियों और समर्थकों ने हाफिज नूर अहमद अजहरी एवं उनकी टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और समाज से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों को लेकर विचार- विमर्श किया गया।हाफिज नूर अहमद अजहरी ने बताया कि रामपुर प्रवास के दौरान उन्हें पूर्व राज्यसभा सांसद आजम खान की पत्नी एवं पूर्व विधायक तंजीन फातिमा से मुलाकात करने का अवसर भी मिला। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक और सामयिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने मुलाकात को सकारात्मक और उपयोगी बताते हुए कहा कि समाज के विकास और बेहतरी के लिए सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि तालीमी बेदारी मुहिम का मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना तथा लोगों को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति सजग करना है। शिक्षा को समाज की तरक्की का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही अपने भविष्य को बेहतर दिशा दे सकता है। इसके साथ ही उन्होंने आपसी एकता, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने पर भी जोर दिया।इस अवसर पर उनकी टीम में रिजवान बरकाती, फारूक कादरी, नोमान अली वारसी, मुफ्ती नूर मुहम्मद हसनी, मौलाना दानिश रजा मिस्बाही, मौलाना जाकिर खान तहसीनी, हाफिज अरबाज रजवी तथा तौसीफ बुखारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा और सामाजिक जागरूकता को लेकर आगे भी अभियान जारी रखने पर जोर दिया गया।

गिरफ्तारियों से नहीं दबेगी लोकतंत्र की आवाजः एड. नोमान अली वारसी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एड. नोमान अली वारसी व विधानसभा उपाध्यक्ष पप्पू शाह ने कहा कि लोकतंत्र में जनता को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण विरोध करने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी समाजवादी कार्यकर्ता, युवा या आम नागरिक अपने अधिकारों और जनहित के मुद्दों को लेकर सड़क पर उतरते हैं, तो उनकी आवाज का जवाब संवाद से नहीं बल्कि गिरफ्तारी से दिया जाता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति को दबाना उचित नहीं है और इससे लोकतांत्रिक मूल्यों को ठेस पहुंचती है। वारसी ने कहा कि गिरफ्तारियां आंदोलन को कमजोर नहीं बल्कि और मजबूत करती हैं, क्योंकि विचारों और हौसलों को किसी भी तरह की कार्रवाई से रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कार्यकताओं से संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखने की अपील की। अंत में उन्होंने लोकतंत्र और समाजवादी विचारधारा के समर्थन में नारे भी लगाए।

पूरनपुर में भाजपा का बूथ अध्यक्ष सम्मेलन, कार्यकताओं को दिया ऐतिहासिक जीत का मंत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

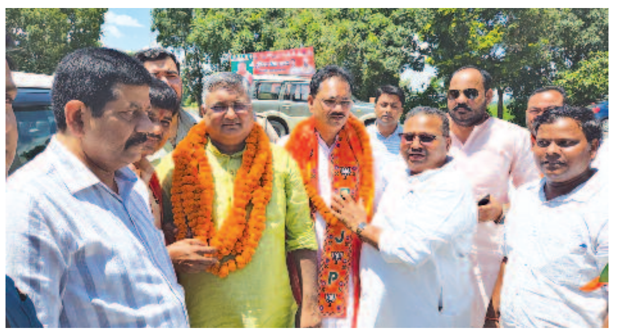

पूरनपुर/पीलीभीत। 129 विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर में भारतीय जनता पार्टी की ओर से बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का भव्य आयोजन छीना बैंकट हॉल में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारी ने की। सम्मेलन में मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य तथा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने शिरकत की।

दोनों नेताओं ने बूथ अध्यक्षों और कार्यकताओं का मार्गदर्शन करते हुए आगामी चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक जीत के लिए बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य और जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की मजबूती का आधार उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं।

बूथ अध्यक्ष संगठन की रीढ़ हैं और चुनावी सफलता में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकताओं से जन-जन तक पार्टी की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की अपील की।

इस दौरान पार्टी के बूथ अध्यक्षों को डायरी और पेन भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर कार्यकताओं में उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ। आयोजकों ने कहा कि पार्टी के समर्पित बूथ अध्यक्ष और कर्मठ कार्यकर्ता ही आने वाली ऐतिहासिक जीत की मजबूत नींव हैं। सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए सभी बूथ अध्यक्षों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया गया।कार्यक्रम का कुशल संचालन जिला महामंत्री महादेव गाईन ने किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता, जिला महामंत्री अनुराग अग्निहोत्री, जिला मंत्री सृष्टि गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष अतेंद्र पाल सिंह, जिला कार्यकारिणी सदस्य रितुराज पासवान, जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती, गन्ना विकास समिति अध्यक्ष नितिन दीक्षित, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य रजनीश पाण्डेय, हर्षित चौधरी, पूरनपुर नगर अध्यक्ष हर्ष प्रधान, घुंघचिहाई मंडल अध्यक्ष संजीव त्रिवेदी, कलीनगर मंडल अध्यक्ष भगवती सिंह, सुल्तानपुर मंडल अध्यक्ष मनोज वर्मा, रामनगर मंडल अध्यक्ष विजय सिंह सहित पार्टी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एकल महिला स्वरोजगार योजना के द्वितीय चरण

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने एकल महिला स्वरोजगार योजना के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 488 महिलाओं को 2.76 करोड़ से अधिक की धनराशि हस्तांतरित की। इस अवसर पर मातृशक्ति के सशक्तिकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्पित भाव से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के माध्यम से एकल महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका, स्वरोजगार के अवसर और आत्मनिर्भर बनने का सशक्त आधार प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में 2.65 लाख से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं, जबकि 5 लाख से अधिक महिलाएं 70 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर स्वरोजगार और उद्यमिता की नई मिसाल स्थापित कर रही हैं। इस अवसर पर माननीय कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्य भी उपस्थित रही।

महंदखास में कीचड़युक्त मार्ग पर ग्रामीणों ने की धान की रोपाई, प्रधान और सचिव के खिलाफ जताया विरोध

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विकासखंड क्षेत्र के ग्राम महंदखास में जर्जर और कीचड़युक्त मार्ग की समस्या को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। लंबे समय से बदहाल पड़े रास्ते के विरोध में ग्रामीणों ने अनोखा प्रदर्शन करते हुए सड़क पर जमा कीचड़ और पानी के बीच धान की रोपाई कर ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव के खिलाफ विरोध जताया। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में मार्ग की स्थिति बेहद खराब हो जाती है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव के होली चौराहे के समीप से माइनर तक जाने वाला मुख्य मार्ग पिछले करीब पांच वर्षों से जर्जर हालत में पड़ा हुआ है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हैं और बारिश के बाद जलभराव होने से पूरा रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है। ऐसे में पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदारों द्वारा सड़क निर्माण की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मार्ग निर्माण को लेकर कई बार ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव से शिकायत कर समस्या के समाधान की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने प्रधान पर चुनावी रंजिश और जातिगत भावना से प्रभावित होकर सड़क निर्माण की अनदेखी करने का आरोप लगाया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर जर्जर मार्ग का शीघ्र निर्माण कराने की मांग की। साथ ही मामले की जांच कर लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं कराया गया तो वह आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग की बदहाली के कारण बरसात के मौसम में किसी भी समय गंभीर हादसा हो सकता है।

ऑपरेशन शस्त्र अभियानः बाबूगढ़ पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र, मेरठ के निदेर्शानुसार जनपद में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन शस्त्र' अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा (.315 बोर) और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।थाना बाबूगढ़ पुलिस द्वारा ग्राम बाबूगढ़ अड्डा खास के पास चेकिंग के दौरान संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान छोटू उर्फ दान सिंह उर्फ बबलू पुत्र बृजेश उर्फ बिजेंद्र, निवासी ग्राम गालंद, थाना पिलखुवा, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके विरुद्ध पूर्व में विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।इस कार्रवाई को थाना बाबूगढ़ पुलिस टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया, जिसमें उपनिरीक्षक वीरेश कुमार, उपनिरीक्षक सूर्यमल सिंह, कांस्टेबल सोनपाल शर्मा तथा कांस्टेबल अवनीश थे चाह्रर शामिल रहे।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अमरिया सीएचसी में उमड़ी मरीजों की भीड़, मौसमी बीमारियों का बढ़ा प्रकोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। क्षेत्र में रुक-रुककर हो रही बारिश के बाद उमस भरी गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बदलते मौसम के चलते क्षेत्र में मौसमी बीमारियों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। बड़ी संख्या में लोग बुखार, खांसी, जुकाम, नजला, शरीर पर दाने, दाद-खाज और खुजली जैसी समस्याओं से पीड़ित होकर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अमरिया पहुंच रहे हैं। मरीजों की संख्या बढ़ने से अस्पताल की ओपीडी में भी काफी भीड़ देखने को मिल रही है।बुधवार को सुबह से ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से मरीजों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। अस्पताल में प्रतिदिन करीब चार सौ से अधिक मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।

इनमें बड़ी संख्या मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की है। कई मरीज बुखार, खांसी, नजला-जुकाम, दाद-खाज और खुजली के साथ ही शरीर में पानी की कमी की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। सीएचसी में चिकित्सक से परामर्श लेने के लिए ऑनलाइन पर्चा बनाया जा रहा है। पर्चा बनवाने के लिए फिलहाल एक ही काउंटर होने के कारण मरीजों और तीमारदारों को लंबी कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। कई बार मरीजों को धूप में खड़े होकर पर्चा बनवाने के लिए इंतजार करना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अस्पताल प्रशासन से पर्चा बनाने के लिए अतिरिक्त काउंटर की व्यवस्था किए जाने की मांग उठ रही है।अस्पताल में बुखार से पीड़ित मरीजों के लिए लैब में खून की जांच सहित एक्स-रे आदि की सुविधा उपलब्ध है। मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श के बाद अस्पताल से ही आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बुधवार को दो चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उनका उपचार किया।चिकित्सक अनिकेत गंगवार ने बताया कि मौसम में लगातार बदलाव होने के कारण मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। अस्पताल आने वाले मरीजों की जांच कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श दिया जा रहा है और आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

राहुल गांधी व अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में सपा-कांग्रेस नेताओं पर पुलिस की सख्ती, कई नेता नजरबंद

वेलकम इंडिया संवाददाता

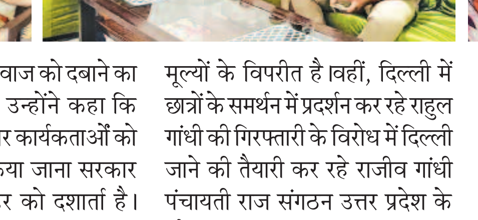

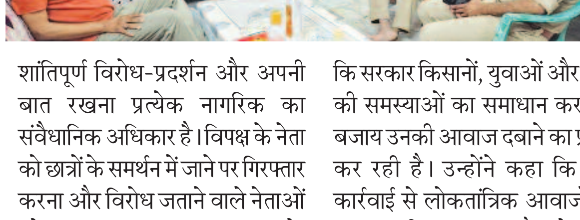

पूरनपुर/पीलीभीत। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के समर्थन में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे विपक्षी दलों के नेताओं पर पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। पीलीभीत विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष हाजी इम्तियाज अल्वी को पुलिस प्रशासन द्वारा हाउस अरेस्ट किए जाने की सूचना पर सपा के प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ सतेन्द्र मौर्य और देवकुमार मौर्य उनके आवास पर पहुंचे और उनका हाल जाना। नेताओं ने आरोप लगाया कि उनके आवास के बाहर भी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।इस दौरान सपा नेताओं ने पुलिस- प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र में छात्र, नौजवान, किसान और मजदूरों की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेताओं और कार्यकताओं को घरों में नजरबंद किया जाना सरकार की हताशा और डर को दशार्ता है। नेताओं ने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वालों पर कार्रवाई करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।वहीं, दिल्ली में छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे राजीव गांधी पंचायती राज संगठन उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष कुलविन्दर सिंह गिल को भी पुलिस-प्रशासन ने उनके आवास पर नजरबंद कर दिया। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन और अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। विपक्ष के नेता को छात्रों के समर्थन में जाने पर गिरफ्तार करना और विरोध जताने वाले नेताओं को नजरबंद करना सरकार के तानाशाही रवैये को दशार्ता है। कुलविन्दर सिंह गिल ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों, युवाओं और छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनकी आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई से लोकतांत्रिक आवाजों को दबाया नहीं जा सकता और लोकतंत्र, संविधान तथा जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

22 वर्षों की सेवा के बाद राष्ट्रीय सैनिक संस्था हापुड़ के जिला अध्यक्ष ज्ञानेंद्र त्यागी ने दिया इस्तीफा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। राष्ट्रीय सैनिक संस्था जिला इकाई हापुड़ के जिला अध्यक्ष ज्ञानेंद्र त्यागी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से स्वास्थ्य ठीक नहीं रहने के कारण वह संगठन की जिम्मेदारियों का निर्वहन प्रभावी ढंग से नहीं कर पा रहे हैं। इसी कारण उन्होंने स्वेच्छा से अपने पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया।ज्ञानेंद्र त्यागी ने बताया कि उन्होंने अपना ऑनलाइन इस्तीफा राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी (वीर चक्र), प्रदेश अध्यक्ष कैप्टन के.पी. सिंह, मंडल अध्यक्ष फौजी राजिंदर सिंह राठी को भेज दिया है। साथ ही जिला संरक्षक शशांक मुनि त्यागी एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश महिला ब्रिगेड की अध्यक्ष सुमन त्यागी को भी इसकी जानकारी दी, जिन्होंने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया।राष्ट्रीय सैनिक संस्था के जिला सचिव मुकेश प्रजापति ने बताया कि ज्ञानेंद्र त्यागी पिछले लगभग 22 वर्षों से संगठन में जुझारू एवं कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

डीएम की अध्यक्षता में कांवड़ यात्रा पर्व को सुरक्षित एवं सकुशल ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत शांति समिति की बैठक हुई आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में श्रावण मास/कांवड़ यात्रा पर्व को सुरक्षित एवं सकुशल ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सत्य प्रकाश, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चंद्रेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। शांति समिति की बैठक में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा आगामी 30 जुलाई से शुरू होने वाले श्रावण मास मेला एवं कावड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों एवं मंदिर के पुजारी/ग्राम प्रधान/संभ्रांत जनों के साथ समीक्षा कर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सावन मास में भगवान शिव का जलाभिषेक एवं कावड़ यात्रा का पर्व आपसी प्रेम एवं सौहार्द के साथ मनाये जाने की अपील करते हुए कहा कि जनपद की शांतिप्रिय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण की परम्परा को बनाये रखते हुए त्योहार को भाई-चारें के साथ मनाये। उन्होंने श्रावण मास एवं कावड़ यात्रा के दौरान जनपद के विभिन्न इलाकों में कानून व्यवस्था, बिजली, पानी, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के बारे में अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि शहर एवं ग्रामीण इलाकों में शिवालयों सहित समस्त मंदिरों की साफ-सफाई सुनिश्चित करा ली जाए। उन्होंने कहा कि श्रावण मास मेला एवं कावड़ यात्रा के दौरान कावड़ियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा विभिन्न शिवालयों पर जलाभिषेक किया जाएगा। इसके दृष्टिगत कांवड़ यात्रा के दौरान आवागमन के रास्तों में विद्युत पोलों, विद्युत तार का संयोजन आदि व्यवस्था को सुनिश्चित कर लिया जाए।

मंदिर/शिवालियों के अप्रोच मार्गों को समय रहते ठीक कर लिया जाए।

जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिव मंदिरों के अप्रोच मार्गों की मरम्मत, गड्ढा मुक्त करने, मार्गों पर लगे विद्युत तारों के सुव्यवस्थित होने की जांच करने, बरसात के मौसम को देखते हुए लोहे के विद्युत पोलों को पॉलिथीन से कवर करवाने सहित शिव मंदिरों के रास्तों की साफ सफाई, एम्बुलेंस एवं फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का आवश्यकतानुसार डिप्लॉयमेंट, कावड़ यात्रा के दौरान रास्ते में आवश्यकतानुसार पेयजल की उपलब्धता, हैंडपंप्स को ठीक करने, प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने आदि से संबंधित निर्देश विभागीय अधिकारियों को देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक दशा में विभागीय अधिकारीगण अपने विभाग से संबंधित व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर लें तथा समय रहते तत्काल उसे ठीक कर दें। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा जनपद के कुछ महत्वपूर्ण मंदिरों जैसे तामेश्वर नाथ धाम, विड़हल घाट, बैजूनाथ धाम, हैंसर बाजार शिव मंदिर, मगहर शिव मंदिर, पौली शिव मंदिर, जगदीशपुर शिव मंदिर सहित जनपद के नगर पालिका/नगर पंचायत एवं ग्रामीण शिव मंदिरों पर साफ सफाई, जलाभिषेक के दौरान बेरिकेटिंग व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा की निगरानी व्यवस्था, पुलिस बल की व्यवस्था आदि से संबंधित एक-एक बिंदु का बारीकी से फीडबैक लेते हुए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा मुख्य रूप से अधिशाषी अभियंता विद्युत, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि पूरे श्रावण मास के दौरान शिव भक्तों द्वारा घाटों पर जल भरने से लेकर शिवालियों पर अर्पित करने तक के दौरान अपने-अपने विभाग से संबंधित समस्त व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण करते हुए आवश्यकतानुसार आपसी समन्वयता के साथ यदि कहीं कोई दिक्कत आ रही हो उसका निस्तारण कर लें।

जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारी एवं समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारियों, थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र में श्रावण मास एवं कावड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत आवश्यकतानुसार कांवड़ समितियों के सदस्यों एवं स्थानीय संभ्रांत व्यक्तियों से संपर्क कर स्थानीय जरूरत के हिसाब से यह सुनिश्चित कर लें कि उनके क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न रहे। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने सभी थानाध्यक्षों/चौकी प्रभारी, मंदिर के पुजारी व स्थानीय नागरिकों से श्रावण मास/कांवड़ यात्रा के दौरान पूर्व में की गई व्यवस्थाओं आदि के बारे में फीडबैक लेते हुए उनका सुझाव जाना जिसके अनुसार श्रद्धालुओं/कावड़ियों के सुविधा के दृष्टिगत व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं चाक चौबंद बनाए जाने हेतु पुलिस अधिकारियों सहित समस्त संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी कावंड़ मेलो में आये हुए यात्रियों के साथ शालीनता से व्यवहार किया जाये एवं उनकी हर सम्भव मदद के लिये आवश्यकतानुसार यातायात डायवर्जन प्लान को कड़ाई से लागू कराते हुए ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए। पुलिस अधीक्षक ने त्योहार के दौरान जनपद में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को सुनिश्चित रखने के दृष्टिगत की तैयारियों के बारे में विभिन्न बिन्दुओं पर बारीकी से जानकारी लेते हुए कहा कि श्रावण मास के दौरान पड़ने वाले सोमवार के दिन एवं शिवरात्रि के दिन पर तामेश्वर धाम सहित सभी शिवालयों पर विशेष सतर्कता एवं सुरक्षा व्यवस्था रखी जाए। सभी शिवालयों में साफ-सफाई एवं एप्रोच मार्ग को सही कर लिया जाए।

पुलिस अधीक्षक ने विशेष तौर पर सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाये जाने वाले अफवाहों पर ध्यान न देने तथा अपने स्तर पर ही इसे रोक देने की बात कही। उन्होंने सभी से पुलिस प्रशासन के साथ सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी सम्भावित घटनाओं आदि बारे में तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें। उन्होंने उपस्थित पुलिस अधिकारियों को सी0सी0टी0 वी0 कैमरे व कंट्रोल रूम को सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सावन मेला के दौरान चेन स्नेचिंग, चोरी आदि की घटनाओं को रोकने के लिए समस्त पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने हेतु निर्देशित किया।

कांवड़ यात्रा को लेकर एएसपी का पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था परखी

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के उद्देश्य से अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला ने नगर एवं क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी कैराना, थाना प्रभारी निरीक्षक एवं पुलिस बल मौजूद रहा।पैदल गश्त के दौरान एएसपी ने प्रमुख मार्गों, बाजारों तथा संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था परखी। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए।एएसपी ने व्यापारियों, दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। साथ ही कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु रखने और श्रद्धालुओं को हरसंभव सुरक्षा एवं सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

प्रशासन में नई ऊर्जा, तमकुहीराज के एसडीएम बने कुणाल गौरव

वेलकम इंडिया संवाददाता

तमकुहीराज । शासन द्वारा किए गए प्रशासनिक फेरबदल के तहत तमकुहीराज तहसील को नया उपजिलाधिकारी (एसडीएम) मिल गया है। कुणाल गौरव ने तमकुहीराज के एसडीएम के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनके पदभार संभालने के साथ ही क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर नई उम्मीदें जाग उठी हैं। आम नागरिकों, अधिवक्ताओं, किसानों, व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों का मानना है कि नए एसडीएम के नेतृत्व में राजस्व एवं जनसुनवाई से जुड़े कार्यों में गति आएगी और लोगों को समयबद्ध न्याय मिलेगा।

राजस्व कार्यों में तेजी लाने पर रहेगा विशेष जोर

तमकुहीराज तहसील में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग भूमि विवाद, नामांतरण, सीमांकन, वरासत, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, अतिक्रमण तथा अन्य राजस्व संबंधी कार्यों के लिए पहुंचते हैं। कई मामलों में लंबित फाइलों के कारण लोगों को

बार-बार तहसील के चक्कर लगाने पड़ते हैं। ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि नए एसडीएम के नेतृत्व में इन मामलों का त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण होगा।

जनसुनवाई को प्रभावी बनाने की तैयारी

कार्यभार ग्रहण करने के बाद एसडीएम कुणाल गौरव ने संकेत दिए हैं कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि तहसील आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुना जाएगा तथा उसका निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान कराया जाएगा। सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक बिना किसी भेदभाव के पहुंचाना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को नई उम्मीद

तमकुहीराज क्षेत्र में भूमि विवाद, सरकारी भूमि पर अतिक्रमण, राजस्व अभिलेखों की त्रुटियां तथा प्रमाण-पत्रों के लंबित मामलों जैसी समस्याएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि इन मामलों का शीघ्र निस्तारण होता है तो आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। किसानों और व्यापारियों ने भी उम्मीद जताई है कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और गति आने से लोगों का समय और धन दोनों की बचत होगी।

जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने किया स्वागत

नवनियुक्त एसडीएम के आगमन पर अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत करते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में प्रशासन और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित होगा तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगा।

अब जनता की निगाहें नए एसडीएम के कार्यों पर

तमकुहीराज की जनता को नए एसडीएम कुणाल गौरव से काफी उम्मीदें हैं। लोगों का मानना है कि यदि जनसुनवाई नियमित होगी, शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण होगा और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगेगा, तो तहसील प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत होगा। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नए एसडीएम अपने कार्यकाल में इन अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरते हैं।

सरकारी नल पर पानी भरने को लेकर विवाद, गर्भवती महिला से मारपीट का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत में सरकारी हैंडपंप पर पानी भरने को लेकर हुए विवाद में आठ माह की गर्भवती महिला के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव गढी दौलत निवासी इदरीश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी सात वर्षीय पुत्री अफसाना सरकारी हैंडपंप से पानी भरने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस के एक व्यक्ति ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंची उसकी बड़ी बेटी रिजवाना, जो आठ माह की गर्भवती है, के साथ भी आरोपी ने मारपीट कर दी।शोर-शराबा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।परिजनों ने घायल महिला का चिकित्सीय परीक्षण कराया और आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन देते हुए

नेबुआ नौरंगिया पुलिस ने चोरी की वारदात का किया खुलासा, चोरी गया ऑटो बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुशीनगर। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत नेबुआ नौरंगिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी की एक घटना का पदार्फाश करते हुए चोरी गया एक ऑटो (टेम्पू) बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, दिनांक 22 जुलाई 2026 को थाना नेबुआ नौरंगिया पुलिस टीम ने मु.अ.सं. 258/2026 की विवेचना के दौरान कार्रवाई करते हुए चोरी हुए PIAGGIO ऑटो (वाहन संख्या UP53DT7831) को बरामद किया। इस मामले में सूरज सिंह पुत्र राम प्रताप सिंह, निवासी नौरंगिया खास थाना नेबुआ नौरंगिया तथा राजन पुत्र उमेश, निवासी पथलहवा वार्ड नं. 14 मस्जिदिया टोला थाना हनुमानगंज को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी एवं

बरामदगी के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में थाना नेबुआ नौरंगिया पर मु.अ.सं. 258/2026 के तहत धारा 303(2) एवं 317(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज है।

इस सफलता में प्रभारी निरीक्षक संजय दूबे के नेतृत्व में उपनिरीक्षक वीरेन्द्र कुमार यादव, चन्द्रजीत यादव, ब्रह्म कुमार उपाध्याय तथा कांस्टेबल पंकज कुमार यादव, नितीश कुमार तिवारी, ओम प्रकाश मौर्य एवं मुकेश यादव की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुत्र-पुत्रवधू पर गाली-गलौज और नाबालिग बेटी से मारपीट का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के मोहल्ला गुजरान निवासी दंपति ने अपने ही पुत्र और पुत्रवधू पर गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार और 14 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला ने थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

बुधवार को कस्बे के मोहल्ला गुजरान निवासी शहनाज पत्नी इसरार ने बताया कि उसका पुत्र अली और पुत्रवधू मेविश लगातार उनके साथ अभद्रता करते हैं और गाली-गलौज करते हैं।

आरोप है कि दोनों उनकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ भी आए दिन बिना किसी कारण मारपीट करते हैं और मानसिक उत्पीड़न करते हैं। महिला का कहना है कि पुत्र-पुत्रवधू के इस व्यवहार से घर का माहौल पूरी तरह खराब हो गया

है। कई बार मोहल्ले के लोगों द्वारा समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन उनके व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ।

पीड़िता ने कहा कि उसे और उसकी नाबालिग बेटी को अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर खतरा बना हुआ है। पीड़ित महिला व उसके पति ने पुलिस से मांग की है कि दोषी पुत्र और पुत्रवधू के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाए, ताकि उसे और उसकी बेटी को सुरक्षा मिल सके। मामले में पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देते हुए जांच शुरू कर दी है।

राज्य महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने जिला कारागार के महिला बंदीगृह का किया निरीक्षण

कारागार परिसर में आम का पौधा रोपकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अध्यक्ष, उ0प्र0 राज्य महिला आयोग डॉ0 बबीता सिंह चौहान महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने की समीक्षा करने के उद्देश्य से जनपद भ्रमण के दौरान जिला कारागार संत कबीर नगर में महिला बंदीगृह का निरीक्षण करते हुए कारागार में महिला बंदियो से बातचीत करके उनकी सुविधाओं को सुनिश्चित बनाए रखने के संबंध में अथवा किसी भी समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु जिला कारागार के अधिकारी/कर्मचारी को निर्देशित किया गया।

निरीक्षण के दौरान बताया गया कि जिला कारागार संत कबीर नागर में कुल 20 महिलाएं निरुद्ध हैं। मा0

अध्यक्ष जी द्वारा उनका कुशल छेम पूछा गया, किसी ने कोई समस्या नहीं बताई, सभी ने बताया उनके मामलों की पैरवी करने के लिए वकील हैं।

इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा महिला बैरक परिसर में 02 आम का पौधा आरोपित कर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर जिला कारागार अधीक्षक कुलदीप सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी सतीश चंद्र सहित संबंधित आदि उपस्थित रहे।

जल निगम द्वारा खोदी गई सड़कों पर तेजी से हो रहा पैचिंग कार्य, राहगीरों को मिली राहत

नगरवासियों के लिए आवागमन हुआ सुगमः जल्द शुरू होगी शुद्ध पेयजल आपूर्ति

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। नगर पंचायत मगहर में जल निगम द्वारा हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत नगर के सभी 13 वार्डों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य कराया गया। इस दौरान पाइपलाइन बिछाने के लिए कई सड़कों की खुदाई की गई थी, जिससे जगह-जगह गड्ढे बन जाने के कारण लोगों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। राहगीरों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों तथा दोपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी हो रही थी। जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए जल निगम ने अब सड़कों की मरम्मत एवं पैचिंग का कार्य

तेजी से शुरू कर दिया है। विभिन्न वार्डों में क्षतिग्रस्त सड़कों पर तेजी से पैचिंग कराई जाने के साथ ही लोगों को पेयजल हेतु कनेक्शन भी दिये जारहे हैं। जिससे आवागमन पहले की अपेक्षा काफी आसान और सुरक्षित हो गया है। नगरवासियों ने इस त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे जनहित में सराहनीय कदम बताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइपलाइन बिछने के बाद जल्द ही घर-घर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। जिससे वर्षों से चली आ रही पेयजल संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के दौरान कुछ समय के लिए असुविधा हुई, लेकिन अब सड़क मरम्मत का कार्य तेजी से होने से लोगों को राहत मिल रही है। मोहल्लेवासियों आशीष ,बैदुल्लाह ,रहीश, अखिलेश निषाद ,उदय भान, राजेश निषाद ,कमरुल आदि ने जल निगम विभाग,संबंधित अधिकारियों तथा वार्ड सभासदगण अवधेश सिंह, कृष्णचंद सैनी, अतुल श्रीवास्तव ,कलाम, आतिफ ओबैद व सभासद प्रतिनिधि अहमद अली, के प्रयासों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि शेष कार्य भी शीघ्र पूरा कर नगरवासियों को बेहतर सड़क और नियमित शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस सम्बंध में पूछे जाने पर जलनिगम विभाग के अवरभियन्ता मेराज अली ने बताया कि रास्ते की पैचिंग का कार्य शीघ्र ही पूरा करलिया जायेगा।पेयजल सप्लाई के लिये नगर को दो जोन में बांटा गया है।जोन1में कहीं कहीं वाटर टैंक से जोड़ दिया गया है। बाकी जल्द ही उसे भी जोड़ दिया जाए गा। जोन 2 में अभी ओवर हेड टैंक तैयार नहीं हो पाया है। इसलिये इसमें अभी समय लग रहा है।

सीएचसी में बाल रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति की मांग, व्यापार मंडल ने सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित बाल रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति की मांग को लेकर सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (रजि.) के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने एसीएमओ को एक शिकायती पत्र सौंपा है। बुधवार को कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचे एसीएमओ जाहिद अली त्यागी को व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष रोहित गुप्ता, पवन कंसल सहित अन्य व्यापारियों ने शिकायती पत्र सकते हुए बताया कि सीएचसी में नियमित बाल रोग विशेषज्ञ नहीं होने के कारण

नवजात शिशुओं और बच्चों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है। नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन विशेषज्ञ चिकित्सक के अभाव में उन्हें शामली, मुजफ्फरनगर अथवा मेरठ रेफर करना पड़ता है।व्यापारियों का कहना है कि रेफर होने से मरीजों के उपचार में अनावश्यक देरी होती है, साथ ही उनके परिजनों पर आर्थिक और मानसिक बोझ भी बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की बढ़ती आबादी और आसपास के गांवों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को देखते हुए सीएचसी में स्थायी रूप से बाल रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति बेहद जरूरी है।

अब कचहरी परिसर में मिलेगी मुफ्त वाई-फाई सुविधा

महापौर ने किया शुभारंभ, शहर के पांच प्रमुख स्थानों पर मिली डिजिटल सुविधा, बीएसएनएल संभालेगा कमान

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। नगर निगम काशी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ-साथ अब इसे डिजिटल रूप से भी सशक्त बनाने में जुट गया है। इसी क्रम में शहर में डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए बुधवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी ने कचहरी परिसर स्थित बनारस बार एसोसिएशन के सभागार में निशुल्क वाई-फाई सेवा का विधिवत शुभारंभ किया। नगर निगम ने इस महत्वाकांक्षी डिजिटल पहल का आगाज सबसे पहले अस्सी घाट और दशाश्वमेध घाट से किया था इसके बाद दूसरे चरण में पूर्वांचल के सबसे बड़े बीएचयू अस्पताल और ट्रामा सेंटर को मुफ्त वाई-फाई सेवा से जोड़ा गया था वहीं तीसरे चरण में अब कचहरी परिसर को भी इस सुविधा से लैस कर दिया गया है इसके साथ ही अब शहर के पांच प्रमुख और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लोगों को फ्री हाई-स्पीड वाई-फाई मिलने लगा है।

शुभारंभ के दौरान महापौर ने कहा कि वर्तमान समय में इंटरनेट एक बुनियादी आवश्यकता बन चुका है यह परियोजना वाराणसी को एक आधुनिक और स्मार्ट सिटी बनाने के हमारे संकल्प का अहम हिस्सा है। आम नागरिकों, अधिवक्ताओं और युवाओं की सहूलियत के लिए निगम ने वाई-फाई जोन में विशेष बोर्ड लगाए हैं। इन बोर्ड्स पर एक क्यूआर कोड दिया गया है जिसे मोबाइल से स्कैन करते ही लोग बेहद आसानी से फ्री इंटरनेट सेवा का लाभ उठा सकते हैं। वाई-फाई व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल को सौंपी गई है। बीएसएनएल के प्रधान महाप्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि इस नेटवर्क की स्पीड और कवरेज को इस तरह डिजाइन किया

गया है कि कचहरी में अत्यधिक भीड़ होने पर भी कनेक्टिविटी में कोई रुकावट न आए और सुचारू रूप से डेटा ट्रांसफर होता रहे। संचालन बनारस बार एसोसिएशन के महामंत्री सुधांशु मिश्रा ने किया।

ये लोग रहे उपस्थितः इस अवसर पर सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिंह गौतम, महामंत्री आशीष कुमार सिंह, सेंट्रल बार के पूर्व महामंत्री अश्वनी राय, बनारस बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद कुमार शुक्ला, उपाध्यक्ष सतीश यादव, भाजपा महानगर महामंत्री जगदीश त्रिपाठी, पार्षद मदन मोहन दुबे, बलराम कन्नौजिया, संदीप रघुवंशी, अरविंद सिंह, संदीप मौर्य, कमलेश यादव, संयुक्त नगर आयुक्त जितेंद्र आनंद, निगम के पीआरओ संदीप श्रीवास्तव, बीएसएनएल के एसडीओ अभिजीत कुमार साहा सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे।

गुरु-शिष्य परमपरा का पावन पर्व गुरु-पूर्णिमा पर्व बड़े ही धूमधाम से अघोड़ पीठ बाबा कीनाराम स्थल, क्रीकुण्ड पर मनाया जाएगा

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। गुरु-शिष्य परमपरा' का पावन पर्व गुरु-पूर्णिमा 29 जुलाई 2026 बुधवार को बड़े ही धूम धाम से अघोड़ पीठ बाबा कीनाराम स्थल, क्रीकुण्ड पर परमपरागत ढंग से मनाया जायेगा। इस शुभ अवसर पर भारी संख्या में भक्त सद्गुरु का दर्शन, पूजन कर तथा आशीर्वचन सुनकर कृतार्थ होंगे।

इस पावन पर्व का शुभारम्भ प्रातःकालीन आरती के उपरान्त श्रमदान एवं सफाई के कार्यक्रम तथा प्रभातफेरी के साथ होगा उसके बाद प्रातः 8.30 बजे से पूज्य पीठाधीश्वर बाबा सिद्धार्थ गौतम राम द्वारा समस्त अघोरेश्वर की समाधियों का पूजन एवं दर्शन करेंगें तत्पश्चात 9.30 बजे से श्रद्धालुओं के लिए पूज्य पीठाधीश्वर का दर्शन-पूजन प्रारभ हो जायेगा और दोपहर 12 बजे से प्रसाद वितरण किया जाएगा। सायंकाल 4 बजे से गोष्ठी एवं पूज्य पीठाधीश्वर का आशीर्वचन होगा और सायं 7.30 बजे से सायंकालीन आरती प्रारम्भ होने के उपरान्त रात्रि आठ बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न होगा जो मध्य रात्रि तक चलेगा।

सीएम ग्रिड-2: गुणवत्ता व प्रगति का नगरायुक्त ने किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि ने सीएम ग्रिड फेज-2 योजनांतर्गत हकीकत नगर में सड़क निर्माण, उन्नयन एवं सौंदर्यीकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य प्रगति, गुणवत्ता एवं विभिन्न विभागों के समन्वय एवं प्रस्तावित वेरिएशन/डेविएशन का परीक्षण भी किया। उन्होंने श्रमिकों की संख्या व अन्य संसाधन बढ़ाकर कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समय में गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

नगरायुक्त ने शत प्रतिशत निदेशों का अनुपालन करने पर जोर देते हुए कार्य से सम्बंधित वेरिएशन/डेविएशन स्टेटमेंट हर हाल में शनिवार तक तैयार कर सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने कहा कि विवरण तैयार करने से पूर्व प्रोजेक्ट कंसल्टेंट को अनिवार्य रुप से स्थल पर बुलाकर कार्य का बिंदुवार एवं विस्तृत संयुक्त निरीक्षण कराएं तथा प्रत्येक मद का परीक्षण करते हुए उसी समय उक्त वेरिएशन/डेविएशन स्टेटमेंट को अंतिम रुप दिया जाए। नगरायुक्त ने जानना चाहा कि यदि जलकल विभाग द्वारा पूर्व में यह कहा गया था कि उक्त परियोजना में सीवर सम्बंधी किसी अतिरिक्त कार्य की आवश्यकता नहीं है तो कार्य निष्पादन के दौरान वर्तमान में अतिरिक्त सीवर कार्य की आवश्यकता किन परिस्थितियों में उत्पन्न हुई है। उन्होंने इसका कारण, तकनीकी औचित्य एवं अभिलेखीय तथ्यों के साथ स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए।

नगरायुक्त ने भविष्य में किसी भी परियोजना को अंतिम रुप से प्रस्तुत करने से पूर्व उसका त्रिस्तरीय निरीक्षण अनिवार्य रुप से करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता निर्माण सुरेंद्र प्रसाद मिश्र, सहायक अभियंता मदनपाल व अवर अभियंता अनुज कुमार के अलावा कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल रहे।

भू-गर्भ जल संरक्षण के लिये गोष्ठियों व जागरूकता रैलियों से ग्रामीणों को किया गया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। भू-जल सप्ताह के अन्तर्गत जनपद में भू-गर्भ जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, मृदा संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भूमि संरक्षण विभाग प्रथम व द्वितीय द्वारा विभिन्न ग्राम पंचायतों में कृषक गोष्ठियों, जागरूकता बैठकों एवं रैलियों का आयोजन किया गया। भूमि संरक्षण इकाई प्रथम द्वारा 21 जुलाई 2026 को ग्राम पंचायत रतनमई तथा 22 जुलाई 2026 को ग्राम पंचायत ढिढुई में जागरूकता अभियान चलाया गया। आयोजित बैठकों में कृषकों को वर्षा जल संचयन एवं मृदा संरक्षण के महत्व की जानकारी दी गई। कृषकों से अपील की गई कि वर्षा जल के संरक्षण के लिए रूफ वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण कराया जाए तथा प्रत्येक खेत में मेड़बंदी का कार्य कराया जाए, जिससे वर्षा का जल खेत में ही संरक्षित हो सके। अधिकारियों ने बताया कि खेतों की मेड़ों पर पौधरोपण करने से मृदा संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। ग्रामीणों से गांव के सार्वजनिक तालाबों की सफाई ग्रामीण सहभागिता एवं श्रमदान के माध्यम से कराने की अपील की गई, ताकि जल स्त्रोतों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन सुनिश्चित हो सके। गोष्ठी के उपरान्त प्राथमिक विद्यालय ढिढुई के छात्र-छात्राओं एवं कृषकों के साथ जन-जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को भू-गर्भ जल संरक्षण, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। रैली में दिनकर अवर अभियंता, गौरव श्रीवास्तव, महेन्द्र प्रताप, ध्रुव कुमार, श्री लाल कुंवर तिवारी वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-बी तथा प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी प्रेमनाथ वर्मा सहित अन्य लोग शामिल रहे। इसी क्रम में 22 जुलाई 2026 को भूमि संरक्षण इकाई द्वितीय द्वारा विकास खण्ड मंगरौरा के ग्राम पंचायत नरहरपुर में कृषक गोष्ठी एवं जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। भूमि संरक्षण अधिकारी चमन सिंह ने विभागीय योजनाओं, खेत तालाब योजना तथा पं. दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के माध्यम से कराए जा रहे वर्षा जल संचयन एवं मृदा संरक्षण कार्यों की जानकारी कृषकों को दी। उन्होंने कृषकों को प्रोत्साहित किया कि वर्षा जल के अधिकतम संचयन के लिए नहर के पास रूफ वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण कराया जाए तथा प्रत्येक खेत की मेड़ को मजबूत एवं निर्धारित ऊंचाई तक बनाया जाए, ताकि वर्षा का जल खेत में ही संरक्षित हो सके। उन्होंने बताया कि इससे भू-जल स्तर को बनाए रखने के साथ-साथ मृदा संरक्षण में भी मदद मिलेगी। गोष्ठी के बाद प्राथमिक विद्यालय नरहरपुर के छात्र-छात्राओं एवं कृषकों द्वारा जन-जागरूकता रैली निकाली गई। रैली प्राथमिक विद्यालय नरहरपुर से प्रारम्भ होकर ग्रामीण क्षेत्रों से होते हुए पंचायत भवन नरहरपुर पर समाप्त हुई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को वर्षा जल संचयन, भू-गर्भ जल के समुचित उपयोग, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों से जल संरक्षण को सामूहिक जिम्मेदारी मानते हुए वर्षा जल की प्रत्येक बूंद को बचाने, अधिक से अधिक पौधरोपण करने तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर ह्लजल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं कोई विकल्पह्व का संदेश देते हुए भू-गर्भ जल संरक्षण को जन आन्दोलन बनाने की अपील की गई।

दर्दनाक सड़क हादसा: तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार मजदूर की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार की शाम एक तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार 21 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में शोक की लहर है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली आहार क्षेत्र के चरौरा गांव निवासी 21 वर्षीय कृष्ण पुत्र राम सिंह मंगलवार की शाम अपनी बाइक से बुलंदशहर से अपने गांव लौट रहा था। जब वह ग्यारह मिल चौकी क्षेत्र के गांव शेखूपूर रौरा के पास पहुंचा, तो सामने से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार टीयूवी 300 ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कृष्ण की मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद टीयूवी 300 कार का चालक अपने वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। मृतक कृष्ण ईंट भट्टे पर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरवाया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही, दुर्घटना में शामिल क्षतिग्रस्त वाहन को भी जब्त कर लिया गया है।

प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा फरार चालक की तलाश की जा रही है और मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

118 करोड़ रुपये के कथित जीएसटी फजीवड़े में दो गिरफ्तार, पुलिस ने फर्जी फर्मों के नेटवर्क का दावा किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में पुलिस ने 118 करोड़ रुपये के कथित जीएसटी फजीर्वाड़े का खुलासा करने का दावा किया है। साइबर क्राइम थाना और विशेष जांच टीम (एसआईटी) की संयुक्त कार्रवाई में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी फर्जी फर्मों के माध्यम से कागजी कारोबार दिखाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का कथित रूप से गलत लाभ ले रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, जांच की शुरूआत पीसी इंटरप्राइजेज नामक एक फर्म से हुई, जहां करीब 20 करोड़ रुपये का संदिग्ध कारोबार दर्ज होने के संकेत मिले। जांच आगे बढ़ने पर लगभग एक दर्जन फर्मों से जुड़े 118 करोड़ रुपये के कथित फर्जी लेनदेन का नेटवर्क सामने आया।

पुलिस ने 21 जुलाई को गाजियाबाद निवासी योगेंद्र शर्मा और साहिबाबाद निवासी टिम्पु को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, दोनों से पूछताछ के आधार पर नेटवर्क के अन्य लोगों और वित्तीय लेनदेन की भी जांच की जा रही है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो लैपटॉप, छह मोबाइल फोन, बैंकिंग दस्तावेज, चेकबुक, हस्ताक्षरित चेक, फर्जी पहचान संबंधी दस्तावेज और बड़ी संख्या में रिकॉर्ड जब्त करने का दावा किया है। जांच एजेंसियों का कहना है कि उन्हें डिजिटल वॉलेट से जुड़े लेनदेन के रिकॉर्ड भी मिले हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरोह कथित तौर पर लोगों के नाम पर फर्में और बैंक खाते खुलवाता था। इसके बाद फर्जी ई-वे बिल, खरीद-बिक्री के दस्तावेज और जीएसटी रिटर्न तैयार कर कागजों में कारोबार दिखाया जाता था। आरोप है कि इसके जरिए आईटीसी का लाभ लिया जाता और रकम को विभिन्न खातों में स्थानांतरित कर नकदी में बदला जाता था।

एसपी क्राइम मनीष सोनकर ने बताया कि मामले की जांच जारी है और बरामद दस्तावेजों के आधार पर पूरे आर्थिक नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है। उन्होंने कहा कि अन्य संदिग्धों की तलाश भी जारी है।

फिलहाल आरोपियों की ओर से इन आरोपों पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मामले की जांच जारी है और अंतिम निष्कर्ष न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होंगे।

पुलिस ने कांग्रेसी और सपाइयों को किया हाउस अरेस्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। विपक्ष के आह्वान पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन जनपद बुलंदशहर के कस्बा बुगरासी में चौकन्ना नजर आया। पुलिस ने बुधवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं को नजरबंद कर दिया। पुलिस बल घरों पर तैनात रहा, जिससे वे किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन या कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। कस्बा बुगरासी में कांग्रेसी नेता डॉ. इदरीस के आवास पर पुलिस पहुंची और पुलिस उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने दिया। वहां उपस्थित कांग्रेस नगर अध्यक्ष बब्बू खान तथा समाजवादी पार्टी युवजन प्रकोष्ठ के प्रवक्ता सदाकत अली अंसारी भी मौजूद थे। डॉ. इदरीस के आवास पर ही उन्हें भी हाउस अरेस्ट कर लिया गया। पुलिस ने नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखी। कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉ. इदरीस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल का संवैधानिक अधिकार है। सरकार विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। विरोध की आशंका मात्र पर नेताओं को घरों में नजरबंद करना लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। सपा युवजन प्रकोष्ठ के प्रवक्ता सदाकत अली अंसारी ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने से रोकना गलत है। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई की निंदा की। वहीं, चौकी इंचार्ज नीटू मलिक ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के उद्देश्य से एहतियातन यह कदम उठाया गया है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी के साथ ऐसी बर्बता लोकतंत्र के लिए घातक: हरीश चन्द्र आजाद

संसद में नेता प्रतिपक्ष की हैसियत प्रधानमंत्री के बराबर होती हैं

वेलकम इंडिया ब्यूरो

फरीदाबाद! समाजसेवी हरीश चन्द्र आजाद ने कहा कि जिस तरह से दिल्ली पुलिस ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी को घसीट घसीट कर बर्बता की गई ये किसी भी लोकतंत्र के लिए सही बात नहीँ हैं। ज्ञात रहें संसद में नेता प्रतिपक्ष की हैसियत प्रधानमंत्री के बराबर होती हैं इसलिए इस पद की अपनी गरिमा होती हैं और इस गरिमा की मयार्दा को कभी पार नहीँ करना चाहिए।

इसके लिए केंद्र सरकार को माफी मांगनी चाहिए। लोकतंत्र को मजबूत करना सरकार की जिमेवारी हैं। आजाद ने कहा कि जंतर मन्त्र पर देश के भविष्य पर पुलिस द्वारा लाठियाँ चलाना और आंसू गैस के गोले छोड़ना भी सरासर गलत हैं। सरकार अपने मंत्री को बचाने के लिए देश को क्रांति की और धकेल रही हैं जो सरासर गलत हैं।

आज देश किस और जा रहा हैं, जब से बीजेपी सरकार आई हैं देश के किसानों ने देश का सबसे लम्बा आंदोलन किया और आज देश का भविष्य बच्चे सड़को पर उत्तर आये हैं और देश क्रांति की और जा रहा हैं ऐसे हालत देश में कभी नहीँ आये। बीजेपी सरकार आने के बाद देश में ऐसे हालात हो गए हैं कि कहीं भी चार लोग बैठते हैं तो राजनीति की बातें ही होती हैं और बीजेपी के सिवाय किसी और पार्टी के विचारधारा वाले लोगों को मुसलमान कहा जाता हैं।

इन हालातों की जिम्मेवार पूरी तरह बीजेपी सरकार हैं उनको ऐसे हालत को रोकने के लिए विपक्ष के साथ बात करके इसका हाल निकालना चाहिए ना की नेता प्रतिपक्ष को घसीट कर अंदर करके हालात को और खराब करना चाहिए।

हरीश आजाद ने कहा कुछ हालात हिटलरशाही से नहीँ चाणक्य नीति से सुधारे जाते हैं लेकिन बीजेपी सरकार सिर्फ और सिर्फ हिटलरशाही पर भरोसा करती हैं जो कि देश के लिए अच्छे नहीँ हैं।

सरकार से हम अपील करते हैं कि देश को क्रांति पर धकेलने की बजाये देश के लोकतंत्र को मजबूत करने पर काम करें।

इसके लिए तुरंत शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को मंत्री पद से हटाएँ ताकि बच्चों का गुस्सा शांत हो और देश में हालात सुधरें। उन्होंने कहा कि देश के लोकतंत्र की मजबूती के लिए देश की जनता को भी पार्टिवाद भुलाकर देश में भाईचारे को मजबूत बनायें।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में जाने से रोकने के लिए नगर में कांग्रेस और सपा के नेता नजरबंद

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए पुलिस ने क्षेत्र के कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के कई प्रमुख नेताओं को उनके घरों में नजरबंद कर दिया है। यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए एहतियातन की गई है। जानकारी के अनुसार मंगलवार कि रात से ही नगर के मोहल्ला गुसाईयान निवासी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अंबरीश वर्मा, लाल कुआं निवासी कांग्रेस के पूर्व नगराध्यक्ष इंतजार पठान व मोहल्ला रोगनग्रान निवासी समाजवादी पार्टी के नेता अजय अहेरिया तथा अन्य संबंधित नेताओं के आवासों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया था, जो बुधवार सुबह तक लगातार जारी रहा।

विपक्षी नेताओं का विरोध

नजरबंद किए गए विपक्षी नेताओं ने पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई का कड़ा विरोध जताया है। नेताओं का कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत हर नागरिक को अपनी आवाज उठाने का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने से रोककर उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है और इस पूरी कार्रवाई को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया है।

उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पवार ने कार्यभार ग्रहण किया

पीड़ित जनता को न्याय दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता है: उपजिलाधिकारी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पवार ने बुधवार को मोदीनगर तहसील कार्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद एसडीएम श्रीमती कोमल पवार ने कहा कि पीड़ित जनता को न्याय दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता है। जनता अपनी समस्या को लेकर कभी भी कार्यालय में मिल सकती है। काम में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं का शत-प्रतिशत पालन कराना ही पहला कर्तव्य होगा। आम

आदमी की समस्याओं का निस्तारण कराना व त्वरित न्याय पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शासन की योजनाओं तथा कार्यक्रमों को प्राथमिकता से क्रियान्वित करना हमारा मुख्य उद्देश्य रहेगा।

उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पवार द्वारा मोदीनगर तहसील में अपना अपना कार्यभार सँभालने के लिए अरुण दहिया एडवोकेट क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रोफेशनल मंच राष्ट्रीय लोकदल, वरुण दहिया, राहुल मनोटा, नेपाल शर्मा, सत्येंद्र कुमार, एडवोकेट श्रीओम त्यागी, एडवोकेट, जितेंद्र चौधरी एडवोकेट रामकुमार चौधरी प्रवीण नेहरा ,एडवोकेट आशीष नरेश, तरुण चौधरी, कृष्णपाल सिंह, एडवोकेट सुमित शर्मा, सत्येंद्र सिंह आदि अधिवक्ताओं ने उनका स्वागत किया।

पालिका के वार्ड 15 के लोगों ने समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नगर पालिका परिषद मोदीनगर वार्ड 15 के लोगों ने समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन पालिका के कर निरीक्षक अंकित चौधरी को सौंपा और समस्याओं के समाधान की मांग की। अरुण दहिया एडवोकेट के नेतृत्व में वार्ड 15 के लोगों ने पालिका के कर निरीक्षक को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि संजय पुरी मार्ग से कृष्णपाल के घर की तरफ जो रास्ता जा रहा है जो कि कई महीनो से रुका हुआ है उसे तुरंत पक्का कराया जाए। कान्हा गौशाला के बराबर में जो

रास्ता है जल्द से जल्द उसे बनवाया जाए गौशाला के वहां पर गंदगी फैली है उसको साफ कराया जाए। जितनी खराब स्ट्रीट लाइट हैं उन्हें तुरंत ठीक कराया जाए। प्रवीण नेहरा के घर के बाहर तालाब लबालब भरा हुआ है और पानी सड़क पर आ चुका है जिस कारण आने जाने वाले को बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है ।जल्द से जल्द नाला निर्माण कर पानी को सुचारू रूप से नाले में डलवाया जाए। इस मौके पर अरुण दहिया एडवोकेट क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रोफेशनल मंच राष्ट्रीय लोकदल, वरुण दहिया, प्रवीण नेहरा, ओमवीर सिंह, कृष्णपाल सिंह रहे।

दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में असपा का धरना शुरू

दिल्ली(वेलकम इंडिया)। दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने बस स्टैंड स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष राहुल कलछीना के साथ कार्यकर्ता एकत्र होकर आंबेडकर की प्रतिमा पर पहुंचे और धरने पर बैठ गए। अध्यक्ष का कहना है कि जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से मार्च निकाल रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस ने लाठीचार्ज किया गया, जो निदनीय है। छात्रों पर बबर्रता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छात्रों के हितों के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संसद परिसर में दो दिन से धरना दे रहे है। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय मिलने तक और चंद्रशेखर आजाद के धरना जारी रखने तक उनका धरना जारी रहेगा। सम्राट जाटव, सोनू सोनलाल आदि लोग मौजूद रहे।

के.सी.त्यागी के स्वागत को लेकर रणवीर दहिया ने सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र में चलाया जनसंपर्क अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। आगामी 26 जुलाई को प्रातः 11:00 बजे सी.आर.एस. फार्म हाउस, पूठ खास (पुलिस चौकी के पास) में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोकदल के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद के. सी. त्यागी के भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह को सफल बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता रणवीर दहिया ने सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया।

जनसंपर्क अभियान के दौरान रणवीर दहिया ने ग्राम सिसौला, जानी, रामपुर मोती, गेझा, कुसैड़ी, करनावल

एवं पूठ सहित विभिन्न गांवों में पहुंचकर क्षेत्रवासियों, किसानों, युवाओं एवं पार्टी कार्यकताओं से आत्मीय मुलाकात की तथा सभी से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर के. सी. त्यागी का भव्य स्वागत करने की अपील की। इस अवसर पर रणवीर दहिया ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह किसानों, मजदूरों, नौजवानों एवं आम जनमानस के सच्चे हितैषी हैं। उन्होंने कहा कि के. सी. त्यागी का राजनीतिक एवं संसदीय अनुभव देश और समाज के लिए अमूल्य है।

उनका मेरठ आगमन कार्यकताओं में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार करेगा। इसलिए सभी कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों का दायित्व है कि वे कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेकर इसे ऐतिहासिक एवं सफल बनाएं। जनसंपर्क अभियान के दौरान सचिन चौधरी (पूर्व अध्यक्ष, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय छात्रसंघ), मोनू ढिडाला, मोहित कुमार सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रिश्ते ही पूंजी हैं' मोटिवेशनल सीरीज के दूसरे एपिसोड का प्रीमियर शो वाराणसी मे 24 जुलाई को,रिश्तों को मजबूत करने का देगा प्रेरक संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। लोकप्रिय मोटिवेशनल सीरीज रिश्ते ही पूंजी हैं के एपिसोड-2 का प्रीमियर शो 24 जुलाई 2026 शुक्रवार को रात्रि 9:45 बजे से 10:45 बजे तक रथयात्रा-महमूरगंज रोड स्थित होटल सेलिब्रेंट में आयोजित किया जाएगा। जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के संस्थापक एवं मोटिवेशनल स्पीकर संजीव अग्रवाल ने बताया कि यह केवल नौ मिनट का प्रेरणादायक एपिसोड है जिसका उद्देश्य आज के दौर में टूटते रिश्तों को नई सोच,युवाओं मे नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करना है कार्यक्रम का

सानिध्य सूरज सिंह द्वारा किया जाएगा। संजीव अग्रवाल ने कहा रिश्ता वो नहीं जो बसंत में साथ मुस्कुराए,रिश्ता वो है जो पतझड़ में भी हाथ ना छुड़ाए। एक कप कॉफी,दो बातें और सच्ची मुस्कान में ही रिश्तों की जान बसती है इसी भाव को लेकर हम यह सीरीज लेकर आए हैं।

ट्रांसपोर्ट सेवा उपलब्ध कराने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले चार शातिर आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मुरादनगर पुलिस ने जस्ट डायल के माध्यम से ट्रांसपोर्ट सेवा उपलब्ध कराने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक कीपैड मोबाइल फोन और चार मोबाइल बिल बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, साइबर क्राइम पोर्टल से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुरादनगर क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल सहित चार राज्यों में हुई साइबर ठगी की घटनाओं का खुलासा हुआ है।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने लोगों को ठगने के लिए एक संगठित गिरोह बना रखा था। आरोपी जस्ट डायल पर फर्जी ट्रांसपोर्ट आईडी बनाकर ग्राहकों का डेटा हासिल करते थे और ट्रांसपोर्ट उपलब्ध कराने का झांसा देकर एडवांस किराया ऑनलाइन वसूल लेते थे।इस ठगी के लिए फर्जी सिम कार्ड, फर्जी बैंक खाते और कीपैड मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया जाता था। शिकायत होने पर सिम और मोबाइल तोड़कर फेंक दिए जाते थे ताकि पुलिस उनकी लोकेशन ट्रेस न कर सके। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सौरभ सिंह, राकेश सिंह, अभिषेक अवस्थी और दशमेश के रूप में हुई है। वहीं, इस गिरोह के चार अन्य सदस्य विकास, अजय, सुरजीत और विजय अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि बरामद मोबाइल और आईएमईआई नंबरों से विभिन्न राज्यों में साइबर फ्रॉड की कई शिकायतें जुड़ी मिली हैं। आरोपियों के खिलाफ थाना मुरादनगर में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ब्राह्मण महासभा ग्रामीण क्षेत्र में 25 जुलाई को ग्राम पूठरी में करेंगे कार्यक्रम आयोजित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महासचिव शिव मोहन भारद्वाज ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बी डी शर्मा के निर्देशन पर सभा ग्रामीण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। ब्राह्मणों के उत्थान के लिए सभा के पदाधिकारी प्रत्येक जिले के गांव में जाकर लोगों की समस्याओं को सुनेंगे और उनका समाधान करने का प्रयास करेंगे ।सभा के राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज ने बताया कि इस प्रकार का कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में समय-समय पर आयोजित किया जाएगा ।वहां के जिला अध्यक्षों द्वारा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की जाएगी और गांव - गांव जाकर सभा का गठन किया जाएगा ताकि निचले स्तर तक सभा के पदाधिकारी कार्य कर सके।इसी परिपेक्ष में दिनांक 25 जुलाई 2026 से यह कार्यक्रम ग्राम पूठरी ब्लॉक मुरादनगर गाजियाबाद से आरंभ किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय

पं. शिव मोहन भारद्वाज

अध्यक्ष बी डी शर्मा होंगे । अन्य जिलों के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष त्रिभुवन शर्मा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष प्रमोद पांडे को जगह-जगह पर कार्यक्रम के अध्यक्षता करेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार शर्मा व महामंत्री योगेंद्र शर्मा के द्वारा किया जा रहा है। क्योंकि इस समय आम का सीजन है इसलिए सभी ब्राह्मण बंधुओं को आम भी खिलाए जाएंगे। आप समय पर पहुंचकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं ।

ऑपरेशन कवच का बड़ा एक्शन: गाजियाबाद मंडल में 68 वाहनों पर कार्रवाई, 16.50 लाख का जुमार्ना

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। परिवहन विभाग ने ₹ऑपरेशन कवच₹ विशेष अभियान के तहत गाजियाबाद मंडल में लंबी दूरी की स्लीपर बसों और यात्री वाहनों के खिलाफ व्यापक जांच अभियान चलाया। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर 21 जुलाई को गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर और हापुड़ में डॉ. सियाराम वर्मा, संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) के नेतृत्व में अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान परी चौक के जीरो प्वाइंट से महामाया फ्लाईओवर तथा यूपी गेट से हापुड़-मेरठ रोड तक विशेष चेकिंग की गई। जांच में वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, चालक के दस्तावेज, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स और अन्य सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया।

नियमों का उल्लंघन करने वाले 68 वाहनों के खिलाफ चालान एवं बंद करने की कार्रवाई करते हुए 16.50 लाख रुपये का प्रशमन शुल्क लगाया गया।

संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. सियाराम वर्मा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित और मानक अनुरूप परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना तथा अवैध एवं असुरक्षित यात्री वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए ऐसे विशेष प्रवर्तन अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

पशुधन सुरक्षा की बड़ी पहल: गाजियाबाद में शुरू हुआ एफएमडी टीकाकरण अभियान, 1.79 लाख पशुओं को लगेगा मुफ्त टीका

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद खुरपका-मुँहपका(एफएमडी) जैसी संक्रामक बीमारी से पशुधन को सुरक्षित रखने के लिए गाजियाबाद में बुधवार से विशेष टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ और मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एस.पी. पाण्डेय की उपस्थिति में टीकाकरण टीमों एवं वाहनों को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरूआत की।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एस.पी. पाण्डेय ने बताया कि 22 जुलाई से 8 सितंबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान के तहत जिले के 1 लाख 79 हजार 500 गोवंश एवं महिषवंशीय पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। प्रत्येक पशु के कान में ईयर टैग लगाने के साथ उसका पंजीकरण भारत पशुधन पोर्टल पर भी किया जाएगा, जिससे पशुओं की डिजिटल पहचान और सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि टीकाकरण का कार्य प्रशिक्षित पशु मित्रों के माध्यम से कराया जा रहा है। पशुपालकों से अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण कराने और भारत पशुधन पोर्टल पर पंजीकरण कराने की अपील की गई है। पशुपालन विभाग के अनुसार खुरपका-मुँहपका एक अत्यंत संक्रामक वायरल रोग है, जिससे दुग्ध उत्पादन में कमी आने के साथ पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। जिला प्रशासन ने जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, नगर निकायों और सामाजिक संगठनों से अभियान को सफल बनाने तथा शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराने का आह्वान किया है।

कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ मत्स्यपालन में चमके रजनीश, आज सैकड़ों युवाओं के लिए बने प्रेरणा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्राम पटला निवासी रजनीश कुमार ने कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ आधुनिक मत्स्यपालन के क्षेत्र में सफलता की नई मिसाल कायम की है।

वर्ष 2004 में बी.टेक. करने के बाद करीब 14 वर्षों तक निजी कंपनियों में कार्यरत रहे रजनीश ने वर्ष 2017 में नौकरी छोड़ मत्स्यपालन को अपना व्यवसाय बनाया। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के तहत मिले सहयोग से उन्होंने वर्ष 2018 में अपने गांव में आधुनिक मत्स्य परियोजना की शुरूआत की, जो आज करीब 50 एकड़ क्षेत्र तक विस्तारित हो चुकी है।

रजनीश कुमार ने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से मछली उत्पादन के साथ हैचरी और सीड बैंक भी स्थापित किया तथा राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (NFDB) में पंजीकरण कर व्यवसाय का विस्तार किया।

अब तक वह 400 से अधिक किसानों, युवाओं और उद्यमियों को आधुनिक मत्स्यपालन का प्रशिक्षण दे चुके हैं। अपने 'PVR Aqua' यूट्यूब चैनल के जरिए भी वह हजारों लोगों को तकनीकी जानकारी और स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रहे हैं। रजनीश का लक्ष्य अपने मत्स्य फार्म का विस्तार 365 एकड़ तक करना, फिश फीड उत्पादन इकाई स्थापित करना और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण मछली की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उनकी सफलता की कहानी सरकारी योजनाओं, आधुनिक तकनीक और दृढ़ संकल्प के बल पर आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ते उत्तर प्रदेश की एक प्रेरक मिसाल बन गई है।

विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों से सहयोग एवं अनुशासन बनाए रखने की अपील की

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादनगर। ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल अबूपुर, मुरादनगर की ओर से अभिभावकों से विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में सहयोग करने की अपील की गई है।

विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, कक्षा क्क के एक छात्र के अभिभावकों से उनके बच्चे की अप्रैल माह से अब तक की लंबित फीस जमा करने के संबंध में अत्यंत सम्मानपूर्वक संपर्क किया गया था। विद्यालय का उद्देश्य केवल यह था कि समय पर शुल्क जमा होने से विद्यालय के दैनिक कार्य एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ सुचारु रूप से संचालित हो सकें। विद्यालय प्रबंधन का आरोप है कि फीस संबंधी इस सामान्य अनुरोध के दौरान अभिभावकों द्वारा विवाद एवं अनुचित व्यवहार किया गया तथा विद्यालय की प्रबंध निदेशक सुश्री रितु गोयल के साथ भी कथित रूप से दुर्व्यवहार किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने इस घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि विद्यालय अपने सभी अभिभावकों का सम्मान करता है और किसी भी समस्या या शिकायत के समाधान के लिए सदैव संवाद का रास्ता अपनाता है। साथ ही, विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों, महिला कर्मचारियों एवं प्रबंधन सदस्यों के साथ सम्मानजनक एवं मर्यादित व्यवहार की अपेक्षा सभी से की जाती है।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे विद्यालय के साथ सहयोग करें, अपने बच्चों की फीस समय पर जमा करें तथा किसी भी समस्या या शिकायत को शांतिपूर्ण एवं उचित माध्यम से विद्यालय प्रशासन के समक्ष रखें।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि अनुशासन एवं गरिमा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यदि भविष्य में इस प्रकार का अनुचित व्यवहार दोहराया जाता है, तो विद्यालय को अपने नियमों एवं लागू प्रावधानों के अनुसार उचित प्रशासनिक कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि विद्यालय और अभिभावक एक-दूसरे के सहयोगी हैं तथा दोनों का साझा उद्देश्य विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं विद्यालय के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करना है।

नामी दवा कंपनियों के नाम पर मौत का कारोबार! नकली दवाइयों की फैक्ट्री पर संयुक्त टीम का बड़ा छापा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। देहरादून के देवीपुर स्थित न्यू हाईवे रोड क्षेत्र में नकली एवं अवैध दवाइयों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा गाजियाबाद अपराध शाखा की संयुक्त टीम ने नकली दवाइयाँ बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है।

फैक्ट्री में सिप्ला, ल्यूपिन, डॉ. रेड्डीज, एल्डर, माइक्रो, मैनकाइंड, इंटास, एबॉट, सन फार्मा, एरिस्टो, मैक्लिओड्स और जायडस जैसी नामी दवा कंपनियों के नाम पर स्प्यूरियस (नकली) दवाइयों का निर्माण किया जा रहा था।

छापेमारी के दौरान टीम ने महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए, जिनके आधार पर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों ने कहा कि नकली एवं अवैध दवाओं के निर्माण और कारोबार पर लगातार कड़ी निगरानी रखी जा रही है। मामले की जांच जारी है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई नकली दवाओं के अवैध कारोबार पर बड़ी चोट मानी जा रही है।

जनता दर्शन में डीएम ने सुनी फरियाद, अफसरों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आमजन की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनता दर्शन के दौरान राजस्व, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य, निर्माण समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें और प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया, जबकि अन्य मामलों में जूम के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायतों से अवगत कराया और निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), सिटी मजिस्ट्रेट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्मार्ट प्लग से सीडीएम हैक कर उड़ाते थे कैश, अंतरराज्यीय साइबर गैंग का भंडाफोड़

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद पुलिस ने एटीएम और कैश डिपॉजिट मशीन (सीडीएम) को हैक कर साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चार लाख रुपये नकद, अपराध की रकम से खरीदी गई स्कॉर्पियो, वारदात में प्रयुक्त सेंट्रो कार तथा साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, केनरा बैंक की राजेंद्र नगर शाखा स्थित सीडीएम से 27 से 29 जून के बीच छेड़छाड़ कर नकदी निकालने की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय खुफिया तंत्र और मुखबिर की सूचना के आधार पर 21–22 जुलाई की रात साहिबाबाद रेलवे स्टेशन अंडरपास के पास से गैंग के चार सदस्यों अहसान, सिराज, आरिफ और रहीश को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पहले सीडीएम की बिजली आपूर्ति में स्मार्ट प्लग लगा देते थे, जिसे Smart Life App के जरिए नियंत्रित किया जाता था। ग्राहक के लेनदेन के दौरान मशीन की कार्यप्रणाली बाधित कर नकदी फंसा दी जाती थी और बाद में विशेष औजारों से मशीन खोलकर रकम निकाल ली जाती थी। पुलिस के मुताबिक, गिरोह बैंक खुलने से पहले या अवकाश के दिनों में वारदात को अंजाम देता था। आरोपियों ने राजेंद्र नगर स्थित केनरा बैंक और पंजाब नेशनल बैंक की मशीनों को निशाना बनाने के साथ ही दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में इसी तरह की वारदातें करना स्वीकार किया है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क की तलाश जारी है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

मेरा बूथ, सबसे मजबूत के महामंत्र से गूंजा मुरादनगर

बूथ जीता, चुनाव जीता के उद्घोष के बीच 2027 विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतों से जीत सुनिश्चित करने का सामूहिक संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को धार देते हुए संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई बूथ को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया। बुधवार को मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र के शास्त्री नगर स्थित रुद्राक्ष पैलेस में आयोजित भव्य बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में संगठनात्मक मजबूती, कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी और चुनावी रणनीति का स्पष्ट संदेश दिखाई दिया। सम्मेलन में हजारों कार्यकताओं और बूथ अध्यक्षों ने एक स्वर में 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' तथा 'बूथ जीता, चुनाव जीता' का संकल्प दोहराते हुए वर्ष 2027 में मुरादनगर विधानसभा में भाजपा की ऐतिहासिक विजय का लक्ष्य निर्धारित किया। सम्मेलन की मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री महामेधा नागर ने बूथ अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की वास्तविक शक्ति उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ता होते हैं। यदि बूथ मजबूत होगा तो संगठन मजबूत होगा और संगठन मजबूत होगा तो चुनावी विजय निश्चित होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा, समर्पण, अनुशासन और संगठन की भावना के साथ कार्य करता है, यही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।

उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों का आह्वान किया कि वे अपने-अपने बूथ को संगठन का सबसे सक्रिय और सशक्त केंद्र बनाएं तथा प्रत्येक मतदाता तक पार्टी की विचारधारा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाएं। महामेधा नागर ने कहा कि 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' केवल एक नारा नहीं बल्कि भाजपा की संगठनात्मक कार्यशैली का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ अध्यक्ष अपने क्षेत्र के प्रत्येक परिवार से नियमित संपर्क बनाए, नए मतदाताओं को जोड़ने के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक संगठन की पहुंच सुनिश्चित करे। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह किया कि वे जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनें और सरकार तथा संगठन के बीच मजबूत सेतु की भूमिका निभाएं। सम्मेलन में मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर जितनी मजबूती होगी, उतनी ही बड़ी जीत पार्टी को प्राप्त होगी। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह किया कि वे प्रत्येक घर तक पहुंचकर केंद्र और प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दें तथा जनता के बीच विश्वास और विकास के संदेश को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही वर्ष 2027 में भाजपा की ऐतिहासिक विजय का आधार बनेगी। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी ने हमेशा संगठन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बूथ अध्यक्ष संगठन की रीढ़ हैं और उनकी सक्रियता ही चुनावी सफलता की कुंजी है। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों से संगठन विस्तार, नए सदस्यों को जोड़ने और बूथ समितियों को पूर्ण रूप से सक्रिय रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक एवं पार्षद अमित त्यागी ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का उद्देश्य प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी जिम्मेदारी का बोध कराना और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए संगठन को पूरी तरह तैयार करना है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक एक परिवार की तरह कार्य करता है और यही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है। सम्मेलन में मंडल अध्यक्ष राहुल तोमर (कविनगर), गजेंद्र सिंह (गोविंदपुरम), नीरज त्यागी (राजनगर), राहुल गोयल (मुरादनगर शहर) तथा विपिन चौधरी (मुरादनगर देहात) सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहे। सभी ने संगठन की मजबूती, अनुशासन और सक्रिय जनसंपर्क को चुनावी सफलता का आधार बताते हुए अपने-अपने बूथों को आदर्श बूथ बनाने का संकल्प लिया।

सम्मेलन का सबसे प्रेरणादायक और उत्साहपूर्ण क्षण तब आया जब मुरादनगर विधानसभा के सभी बूथ अध्यक्षों और कार्यकताओं ने सामूहिक रूप से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में विधायक अजीत पाल त्यागी को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया। पूरे सभागार में 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' और 'बूथ जीता, चुनाव जीता' के गगनभेदी उद्घोष गूंजते रहे। कार्यकताओं ने कंधे से कंधा मिलाकर संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने, प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने तथा हर बूथ पर रिकॉर्ड मतों से भाजपा की विजय सुनिश्चित करने का विश्वास व्यक्त किया।

कांवड़ यात्रा पर पुलिस की पैनी नजर, सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए तैयार हुआ समन्वय प्लान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित आर.के. बैंक्वेट हॉल में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात) राजकरन नैय्यर की अध्यक्षता में समन्वय गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में सिविल डिफेंस, कांवड़ संघ के संचालकों, कांवड़ मार्ग से जुड़े ग्राम पंचायतों के प्रधानों और पार्षदों के साथ यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात संचालन, भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता व्यवस्था को लेकर रणनीति बनाई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजकरन नैय्यर ने सभी स्वयंसेवकों से सेवा भावना, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस और सामाजिक संगठनों के बेहतर समन्वय से कांवड़ यात्रा को सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराया जाएगा। बैठक में सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर एवं कांवड़ नोडल अधिकारी सिद्धार्थ गौतम, तीनों जोन के यातायात निरीक्षक समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सभी से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सूचना देकर सहयोग करें, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इंदिरापुरम की हाईराइज सोसाइटी में आग, 20वीं मंजिल पर मचा हड़कंप; दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम स्थित ऋषभ क्लाउड-9 सोसाइटी के डी-टावर की 20वीं मंजिल पर बुधवार शाम फ्लैट नंबर D-2001 में आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही फायर विभाग की तीन दमकल गाड़ियां और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। फायर कर्मियों ने सीढ़ियों के रास्ते 20वीं मंजिल तक पहुंचकर सोसाइटी के फायर सिस्टम और होज लाइन की मदद से आग पर तेजी से काबू पाया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से लपटें अन्य फ्लैटों तक नहीं पहुंच सकीं और एक बड़ा हादसा टल गया। बताया गया कि आग फ्लैट मालिक अनुराग के फ्लैट में लगी थी। घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

कांवड़ यात्रा से पहले फायर विभाग हाई अलर्ट: एडीजी पद्मजा चौहान ने सुरक्षा तैयारियों की ली समीक्षा

फायर कर्मियों के लिए आधुनिक व्यायामशाला का लोकार्पण, स्वदेशी कंपाउंड इंडस्ट्री की ओर से मिले वाटर बाउजर को दिखाई हरी झंडी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को पूर्णतः सुरक्षित, व्यवस्थित और अग्नि दुर्घटनाओं से मुक्त बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में बुधवार को अपर पुलिस महानिदेशक (अग्निशमन एवं आपात सेवा), उत्तर प्रदेश, श्रीमती पद्मजा चौहान ने वैशाली फायर स्टेशन, गाजियाबाद पहुंचकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के मुख्य अग्निशमन अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान अग्नि सुरक्षा प्रबंधन, आपातकालीन तैयारियों, संवेदनशील स्थलों की निगरानी तथा जनजागरूकता अभियान को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक में मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर, बागपत, बुलंदशहर, गाजियाबाद, बिजनौर, अमरोहा, बदायूं, बरेली और मुरादाबाद सहित कांवड़ यात्रा से जुड़े प्रमुख जनपदों के मुख्य अग्निशमन अधिकारी मौजूद रहे।

एडीजी पद्मजा चौहान ने सभी अधिकारियों से जनपदवार तैयारियों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अग्नि दुर्घटना की संभावना को पूरी तरह समाप्त करने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि कांवड़ मार्गों पर स्थापित होने वाले सभी शिविरों में अग्नि सुरक्षा के मानकों का शत-प्रतिशत पालन कराया जाए। शिविर संचालकों एवं आयोजकों को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग, गैस सिलेंडरों के सुरक्षित संचालन, विद्युत उपकरणों के सावधानीपूर्वक उपयोग तथा आपातकालीन स्थिति में तत्काल बचाव उपायों की जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के प्रति जागरूकता ही किसी भी बड़ी दुर्घटना को रोकने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

एडीजी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान फायर स्टेशन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहें तथा संवेदनशील स्थानों पर त्वरित प्रतिक्रिया देने वाली टीमों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों पर नियमित निरीक्षण, मॉक ड्रिल और फायर सेफ्टी जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक के दौरान गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में स्थित बहुमंजिला भवनों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की भी विस्तृत समीक्षा की गई। एडीजी पद्मजा चौहान ने निर्देश दिए कि सभी बहुमंजिला इमारतों में नियमित फायर ऑडिट कराया जाए तथा जिन भवनों में अग्निशमन सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है, इसलिए फायर ऑडिट अभियान को लगातार जारी रखा जाए। उन्होंने होटल, गेस्ट हाउस, कोचिंग सेंटर, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य सार्वजनिक भवनों में भी अग्नि सुरक्षा मानकों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिन भवनों में अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास, फायर अलार्म अथवा अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कराए जाएं। साथ ही संबंधित भवन स्वामियों को सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान वैशाली फायर स्टेशन में फायर कर्मियों के शारीरिक प्रशिक्षण और फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार की गई आधुनिक व्यायामशाला (जिम) का भी लोकार्पण किया गया। एडीजी पद्मजा चौहान ने कहा कि किसी भी आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए फायर कर्मियों का शारीरिक रूप से पूरी तरह सक्षम और फिट होना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर कविनगर स्वदेशी कंपाउंड इंडस्ट्री द्वारा अग्निशमन विभाग को अग्निकांडों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए उपलब्ध कराया गया वाटर बाउजर भी विभाग को औपचारिक रूप से सौंपा गया। एडीजी ने हरी झंडी दिखाकर इस वाहन को रवाना किया और कहा कि यह आधुनिक संसाधन अग्निशमन विभाग की आपातकालीन क्षमता को और अधिक मजबूत करेगा तथा बड़े अग्निकांडों पर तेजी से नियंत्रण पाने में सहायक सिद्ध होगा। बैठक के अंत में एडीजी पद्मजा चौहान ने सभी मुख्य अग्निशमन अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर ढिलाई न बरती जाए। सभी जनपदों में विभागीय समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया, नियमित निरीक्षण और जनजागरूकता के माध्यम से अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित की जाए, ताकि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और सुरक्षा दोनों अक्षुण्ण रह सकें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समुचित तैयारी, आधुनिक संसाधनों और प्रभावी समन्वय के बल पर कांवड़ यात्रा-2026 को पूर्णतः सुरक्षित एवं सफल बनाया जाएगा।